नकली पहचान/ पार्सल स्कैम से **सावधान रहें!**

आरबीआई/बैंकों/सरकारी एजेंसियों/कूरियर कंपनियों के अधिकारियों के नाम से आने वाले ऐसे **साइबर अपराधियों** के ऑडियो/वीडियो कॉल से सावधान रहें, जो कानूनी कार्रवाई करने की **धमकी देते हैं** या **तुरंत पैसे की मांग** करते हैं या आपके बैंक खाते या डेबिट/क्रेडिट कार्ड को **फ्रीज़** या **ब्लॉक** करने का डर दिखाते हैं।

क्या न करें

- **घबराएं नहीं** – धोखेबाज़ आपको फंसा सकते हैं
- कोई भी निजी/वित्तीय जानकारी **साझा न करें**
- भुगतान करने के लिए अज्ञात लिंक पर **क्लिक न करें**

क्या करें

- हमेशा कॉल करने वाले/फ़ंड अनुरोध की **वास्तविकता की पुष्टि** करें
- cybercrime.gov.in पर **तुरंत रिपोर्ट करें** या 1930 पर सहायता के लिए कॉल करें

अधिक जानकारी के लिए, **https://rbikehtahai.rbi.org.in/fraud** पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, **rbikehtahai@rbi.org.in** को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

लिंक ओपन करते ही ठगों ने लगाई दस लाख की चपत

- गैस का बिल कम करने के नाम पर पंचायत सचिव के साथ हुई ठगी

ग्वालियर। गैस का बिल कम कराने का झांसा देकर ठग ने पंचायत सचिव के खाते से दस लाख रुपए उड़ा दिए। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के सुरेश नगर की है। घटना का पता एक दिन बाद चला जब पंचायत सचिव के मोबाइल पर दस लाख रुपए निकलने के ट्रांजेक्शन के मैसेज आया, तो उसके पैरों तले जमीन निकल गई। वह बैंक पहुंचा तो पता चला कि उसके साथ ठगी हो गई है। मामला समझ में आते ही वह पुलिस कप्तान से मिला और शिकायत की। पंचायत सचिव की शिकायत पर पुलिस कप्तान ने मामले की जांच कर कार्रवाई के लिए साइबर सेल को निर्देशित किया। जिस पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सुरेश नगर थाटीपुर निवासी मनोज शर्मा पुत्र दुर्गाप्रसाद शर्मा पंचायत सचिव है और अभी दतिया में पदस्थ है। दो दिन पहले उनके पिता दुर्गा प्रसाद के पास मोबाइल नंबर 7007607211 से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को अवंतिका गैस कंपनी का मैनेजर बताया और इसके बाद उसने उनका बिल तथा अन्य दस्तावेज भेजे और बताया कि आपका बिल ज्यादा आया है और कम कराना है तो उनके बताए खाते में दस रुपए का पैमेंट कर दें। बिल तथा दी गई जानकारी के चलते वह संतुष्ट थे और उन्होंने मनोज का नंबर ठग मैनेजर को दे दिया। जिसके बाद मनोज से उनकी बात होने लगी और मनोज से भी कथित ठग मैनेजर ने दस रुपए जमा कराने के लिए कहा। जब उन्होंने पैमेंट करने के लिए ऑनलाइन प्रोसेस शुरू किया तो उनके मोबाइल पर एक लिंक गैस बिल अपडेट एपीके 1.9 एमबी की फाइल ओपन हुई, जिसे फिर करने के बाद सबमिट करने का प्रयास किया तो भुगतान नहीं हो सका। इस पर उन्होंने कथित मैनेजर को इसकी जानकारी दी तो उसने कहा कि आप परेशान ना हों वह आगे की प्रक्रिया स्वयं कर लेगा। इसके बाद उसका कॉल कट गया।

जब कुछ देर बाद उसने अपना मोबाइल तलाशा और उस पर कॉल लगाया तो पता चला कि उसका मोबाइल फॉरवर्ड है और उस पर कॉल नहीं लग रहा है। जब उसने दूसरे नंबर से उक्त नंबर पर कॉल कर बताया तो मैनेजर माफी मांगने लगा और कुछ देर बाद उसका मोबाइल से कॉल फॉरवर्ड बंद हो गया। अगले दिन मनोज अपने बड़े भाई की गुरुकृपा रियल टेक प्राइवेट लिमिटेड पर बैठा था तो उसे मोबाइल पर दो मैसेज आए, तब पता चला कि उसके खाते से दस लाख रुपए निकल गए हैं। इसका पता चलते ही वह पुलिस कप्तान के पास पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस कप्तान ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई के लिए साइबर सेल को निर्देशित किया तो साइबर सेल ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ठगों की तलाश कर रही है।

भारतीय संस्कार व शिक्षा का लोहा मान रही हैं दुनियाः सुधांशु त्रिवेदी

- मध्य भारत शिक्षा समिति का प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। विश्व में शिक्षा पर ही जोर दिया जाता है परंतु भारत में शिक्षा के साथ दीक्षा का अपना महत्व है। जिससे व्यक्ति को संस्कार मिलते हैं। संस्कार विहीन शिक्षा का कोई महत्व नहीं है। बुद्धिमान तो आतंकवादी भी होते हैं, लेकिन वह शिक्षा और बुद्धि का दुरुपयोग करते हैं। जबकि भारतीय प्रतिभाएं आज संस्कारित शिक्षा के साथ तकनीकी क्षेत्र सहित अन्य विधाओं में विश्व में सर्वोच्च शिखर पर हैं। आज भारतीय प्रतिभा का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। यह बात राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार में आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। मध्यभारत शिक्षा समिति ग्वालियर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का विषय भारतीय शिक्षा दर्शन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उत्प्रेरक वातावरण एवं व्यवहारिक शिक्षा था। कार्यक्रम में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.अविनाश तिवारी, मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र बांदिल एवं उपाध्यक्ष डॉ.राकेश कुशवाह भी मंचासीन रहे।

खचाखाच भरे अटल सभागार में श्रोताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. त्रिवेदी ने कहा विश्व कहता है कि भारत अशिक्षित है जबकि विश्व में डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में भारत प्रथम स्थान पर है। इससे साबित होता है कि हम शिक्षा के मामले में पिछड़े हुए नहीं हैं। सती प्रथा सहित अन्य मामलों को लेकर भी भारत पर कटाक्ष किए जाते रहे हैं। स्त्री का सम्मान हमें कैसे करना चाहिए यह विश्व हमें क्या सिखाएगा, क्योंकि हमारे यहां तो यूरोप और अमेरिका से पहले वैदिककाल में भी महिलाओं का स्थान कमतर नहीं था। गार्गी सहित कई महिलाओं ने ऋचाएं लिखी हैं। यही नहीं आद्य शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच शास्त्रार्थ हुआ तो उसकी निर्णायक भी मंडन मिश्र की पत्नी थीं। अहिल्याबाई, वीरांगना लक्ष्मीबाई, दुर्गावती जैसी महिलाओं ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि हम अपनी विरासत पर गौरव करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरविंद शुक्ला, राजा मानसिंह कला एवं संगीत विवि की कुलगुरु स्मिता सहस्त्रबुद्धे, कुलगुरु प्रो.योगेश उपाध्याय, सूचना उपायुक्त उमाशंकर पचौरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, आईआईटीटीएम के निदेशक प्रो.आलोक शर्मा, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, सभापति मनोज तोमर आदि उपस्थित रहे।

ग्वालियर में अटल जी की पराजय पर जताया अफसोस

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि हम अटल जी की कर्मभूमि लखनऊ से उनकी जन्मभूमि ग्वालियर आया हूं। संयोग से जहां उद्बोधन दे रहा हूं उसका नाम भी अटल सभागार है। उन्होंने बताया कि 1984 में अटल जी की ग्वालियर में हुई पराजय पर हमारे लखनऊ के कांग्रेस के नेताओं ने भी अफसोस जताया था। उनका मानना था कि अटल जी जैसे व्यक्तित्व को संसद में होना चाहिए था।

बंटेंगे तो कटेंगे का बताया परिणाम

उन्होंने बंटेंगे तो कटेंगे का परिणाम भी उदाहरण देते हुए बताया। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में सिलहट को लेकर यह तय होना था कि वह भारत में रहेगा या पाकिस्तान में शामिल होगा, लेकिन पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री रहे श्री मंडल ने अनुसूचित जनजाति के लोगों को यह कहकर बरगलाया था कि हम मुसलमानों का साथ देंगे तो सत्ता में रहेंगे।

महिला को सरिया मारकर लूट करने वाला बदमाश पकड़ा

- नशे की लत पूरी करने के लिए करता है वारदात

ग्वालियर। महिला को सरिया मारकर नगदी व गहने लूटने वाले नकाबपोश बदमाश को कंपू थाना पुलिस ने महाराज बाड़ा इलाके से पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त सरिया बरामद कर पूछताछ शुरू कर दी है। पकड़े गए आरोपी ने नशे की लत पूरी करने के लिए वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अब उससे शहर में हुई अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सीएसपी इंदरगंज अशोक सिंह जादौन ने बताया कि विगत 25 नवंबर को पैदल जा रही साठ वर्षीय फैयादी खान पत्नी रसूल खान निवासी पिछोरों की पहाडिया से फायरिंग रेंज वाली पहाड़ी पर एक नकाबपोश बदमाश ने सरिया मार कर जेवर व एक हजार रुपए छीन लिये थे। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लूट का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने जांच शुरू की तो सबसे बड़ी परेशानी यह थी कि इस इलाके में कोई भी सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे और इसके साथ ही जिस समय बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया था, उस समय वह नकाब बांधे थे और पूरा शरीर निर्वस्त्र था। जिससे शहर के आने जाने के रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी बदमाश की पहचान नहीं हो पा रही थी। आरोपी को पकडने के लिए टीआई कंपू अमित शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की टीम को लगाया गया। जिसके बाद पुलिस टीम ने मुखबिरों का सहारा लेकर लुटेरे की तलाश की।

मुखबिरों से पुलिस को टिप मिली थी कि गेंडे वाली सड़क निवासी राहुल उर्फदीपक श्रीवस्तव पुत्र सुभाष श्रीवास्तव आजकल काफी ज्यादा खर्चा कर रहा है और जमकर नशे में रुपए उड़ा रहा है। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसकी तलाश की तो पता चला कि वह महाराज बाड़ा पर है और इसका पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में उसने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया पुलिस ने राहुल से पूछताछ के बाद वारदात में प्रयुक्त सरिया बरामद कर लिया। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि इससे पहले भी वह इस इलाके में वारदात को अंजाम दे चुका है। लेकिन लूट की राशि सौ से दो सौ रुपए होने पर किसी ने उसकी शिकायत नहीं की थी। पुलिस राहुल से पूछताछ कर अन्य वारदातों का पता लगा रही है।

इनका कहना है

महिला को सरिया मारकर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश को कंपू थाना पुलिस ने पकडा है। पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर अन्य वारदातों का पता लगाया जा रहा है।

धर्मवीर सिंह, एसपी

आपकी खामोशी आपकी दुश्मन है: थाना प्रभारी राजौरिया

ग्वालियर। अपराध के प्रति आपकी खामोशी आपकी सबसे बड़ी दुश्मन है। चुप रहना और अपनी आवाज नहीं उठाना अपराधों को बढावा देता है। इसके लिए आपको अपनी आवाज उठानी होगी, क्योंकि अपराध के प्रति आपकी चुप्पी भी उतनी ही खतरनाक है, जितना अपराधी की हरकत। यह बात महाराजपुरा थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल में मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव की पहल पर चलाए जा रहे हम होंगे कामयाब अभियान में थाना प्रभारी पुरानी छावनी क्षमा राजौरिया ने कहीं।

कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवतियों का सबसे बड़ा दुश्मन उनकी खामोशी होती है, इससे अपराधियों का हौसला बढ़ता है और महिलाएं व युवतियों के साथ गंभीर घटना घटित होती है। इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका घटना के शुरूआत में विरोध करने से हो सकता है, क्योंकि एक बार आरोपी की हरकत उजागर होने पर वह समझ जाता है कि अब कोई और हरकत की तो उसके खिलाफ कार्रवाई हो जाएगी। उन्होने कहा कि महिलाओं और युवतियों के साथ अपराध की शुरूआत घर के पास से ही शुरू होती है, इससे बचने के लिए बस उन्हें डटकर सामना करना है। जिससे अपराधी से आपको नहीं बल्कि अपराधी आपसे डरेगा। खुद को सुरक्षित रखने के साथ ही अब आस-पास रहने वाली महिलाओं और बच्चियों पर भी ध्यान देना है कि वह तो किसी शोषण का शिकार नहीं हो रही है। उन्होने कहा कि अपराधी के खिलाफ आपकी इस लड़ाई में कोई साथ दे या नहीं, लेकिन पुलिस हर कदम पर आपके साथ खड़ी है, बगैर किसी डर या भय के आप थाने आए, यहां पर आपकी बात सुनने के लिए महिला अफसर है और आपकी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई होगी।

ठंड के तेवर होने लगे तीखे, पारा पहुंचा 9.8 पर

ग्वालियर। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में हो रही बर्फबारी से अंचल में ठंड के तेवर तीखे होने लगे हैं। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवा के कारण आगामी कुछ दिनों में पारा और गिर सकता है। बर्फीली हवा के चलते दो पहिया वाहनों पर निकले वाहन चालक आज कंपाकंपाते दिखाई दिए। हालांकि समय पर सूर्यदेव के आने के कारण ठण्ड से हल्की राहत मिली। दो दिन से न्यूनतम तापमान दस डिग्री से नीचे बना हुआ है।

पिछले दिनों की अपेक्षा दो दिन से अंचल में ठण्ड के तेवर तीखे है शनिवार की सुबह न्यूनतम तापमान 9.4 था जो आज रविवार की सुबह 9.8 डिग्री है, दो दिन में शहर का तापताल इस सीजन का सबसे कम है। यानी इस सीजन में शुक्रवार-शनिवार की रात सबसे ठण्डी रात रही है। मौसम के जानकारों का कहना है कि अभी पारा और नीचे जा सकता है और सर्दी अपना असर दिखाएगी। उत्तर भारत में बर्फबारी हो रही है और वहां से सीधे सर्द हवा आ रही उसके कारण ही अंचल का तापमान गिर रहा है और सुबह-शाम के साथ ही रात का तापमान कम हो रहा है। जिससे ठण्ड के तेवर तीखे हो रहे हैं। सुबह-शाम की सर्दी के बाद दोपहर में तेज धूप खिलने के कारण दोपहर के तापमान में अभी उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, लेकिन इसके बाद भी अब हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। मौसम विभाग की मानें तो अभी कोई विक्षोभ एक्टिव नहीं है, इसके चलते अभी कुछ दिन तक सर्दी झेलनी पड़ेगी। चार दिन बाद एक विक्षोभ एक्टिव हो रहा है, लेकिन उससे स्थानीय मौसम पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। जिससे अंचल में सर्दी के तेवर तीखे होंगे।

होटल संचालक का पीछा कर पिस्टल दिखाकर धमकाया

- मामला दर्ज, आरोपी पकडा

ग्वालियर। रेस्टोरेंट से घर जा रहे एक रेस्टोरेंट संचालक का कार सवार बदमाश ने पीछा किया और पिस्टल अड़ाकर उसे धमकाया। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के किडीज कॉर्नर स्कूल के पास की है। किसी तरह पीडित ने खुद को बदमाशों से बचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीडित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को दबोच लिया है। पुलिस अब पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर रही है।

मयूर नगर थाटीपुर निवासी कार्तिक शर्मा पुत्र योगेश शर्मा रेस्टोरेंट संचालक है और पटेल नगर में हाइप रेस्टोरेंट का संचालन करते हैं। बीते रोज शाम करीब चार बजे वह रेस्टोरेंट से अपने घर के लिए निकले थे और अभी कुछ दूरी पर पहुंचे थे कि तभी एक टाटा कार आरजे 06 सीजी 7284 से एक युवक उसकी कार को फॉलो करने लगा। युवक की हरकत समझते ही पहले कार्तिक ने अपनी कार की गति बढ़ाई तो पीछा कर रही कार के चालक ने अपनी कार को गति दे दी। स्थिति समझने के लिए कार्तिक ने कार की गति धीमी की तो पीछा कर रही कार का चालक उसके पास आ गया। कार धीमी होते ही पीछा कर रही कार के चालक ने उसे रोकने के लिए बोला। जब उसने कार नहीं रोकी तो कार सवार उसे गालियां देने लगा। इस पर वह कार को आगे बढ़ाने लगा तो कार चालक ने पिस्टल निकाल ली। जिसे देखते ही उसके पैरों तले जमीन निकल गई और अपनी कार को तेजी से निकालकर वापस अपने रेस्टोरेंट पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से भाग निकला। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की और कुछ देर के प्रयास के बाद उसे दबोच लिया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पकड़े गए आरोपी की पहचान रोहित भदौरिया के रूप में हुई है और पता चला कि वह दिल्ली में प्राइवेट टैक्सी चलवाता है। अब पुलिस पूछताछ कर पता लगा रही है कि आरोपी की रेस्टोरेंट संचालक से क्या दुश्मनी है। बताया गया है कि जिस रेस्टोरेंट संचालक की शिकायत पर रोहित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, कुछ समय पूर्व रशियन डांसर मामले में उसका नाम आया था और पुलिस ने उससे पूछताछ की थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गश्त पर निकली पुलिस के हाथ लगा चोर, कई चोरियों का हुआ खुलासा

ग्वालियर। गश्त पर निकली मुरार थाना पुलिस के हाथ एक शातिर चोर लगा है। पकड़े गए चोर से पूछताछ के बाद कुछ चोरियों का खुलासा हुआ है। चोरी की वारदात में उसका एक साथी फरार है और उसी के पास चोरी का माल रखा है। अब पुलिस उसके फरार साथी की तलाश में दबिश दे रही है।

मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि बीती रात पुलिस की टीम गश्त करते हुए हॉकर्स जोन पहुंची तो वहां पर एक युवक दिखाई दिया। जो पुलिस को देखते ही भागने लगा और गलियों में जा घुसा। युवक को पकडने के लिए पुलिस ने घेराबंदी की और थाने से आरक्षक योगेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, जयहिंद को कॉल कर बुलाया। पुलिस ने इलाके की घेरबंदी की तो आरोपी को कुछ ही प्रयास के बाद दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए चोर से पूछताछ की तो उसने अपना नाम विशाल उर्फ कालू पुत्र पुल्ली उर्फ पुलंदर बताया। उससे पूछताछ की तो उसने स्वीकार किया कि वह चोरी करने आया था, लेकिन पुलिस से सामना हो गया और पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में विशाल ने बताया कि कुछ दिन पहले ही उसने आर्य नगर में घनश्याम कुशवाह के घर पर चोरी की वारदात को अपने साथी हामिद खान निवासी सागर ताल के साथ अंजाम दिया था और चोरी का माल उसके पास है। इसका पता चलते ही पुलिस की टीम हामिद की तलाश में उसके घर पहुंची तो वह घर से फरार मिला है। पुलिस ने पकड़े गए चोर विशाल उर्फ कालू की जानकारी जुटाई तो पता चला कि महाराजपुरा, कोतवाली, जनकगंज, थाटीपुर, मुरार, बहोड़ापुर सहित अन्य थानों में पकड़े गए चोर के खिलाफ34 मामले दर्ज है। पुलिस विशाल से पूछताछ कर रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कल

ग्वालियर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफग्वालियर के सकल हिन्दू समाज ने एकजुटता दिखाते हुए धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इसके लिए सकल हिन्दू समाज ने मंगलवार 3 दिसंबर को फूलबाग चलो का आव्हान किया है। इसके अंतर्गत बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ जारी बर्बर नरसंहार, हिन्दू बहन बेटियों के साथ नृशंस अत्याचार और हिन्दू मंदिरों में की जा रही तोड़फोड़ के विरोध में 3 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से सकल हिंदू समाज द्वारा फूलबाग चौराहे पर विशाल धरना, प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान सकल हिन्दू समाज द्वारा ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में पिछले चार माह से वहां के हिन्दुओं के खिलाफ जारी हिंसा को लेकर पूरे देश सहित ग्वालियर के हिन्दू समाज में जोरदार आक्रोश व्याप्त है। सकल हिन्दू समाज ने गुस्से का प्रगटीकरण करते हुए वहां की अंतरिम सरकार से मांग की है कि हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो। सकल हिन्दू समाज द्वारा ये भी मांग रखी जा रही है कि कि बांग्लादेश सरकार हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्णदास को जेल से तत्काल रिहा करे। सकल हिन्दू समाज का कहना है कि बांग्लादेश में हिंदुओं, महिलाओं और अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों की ओर से किए गए हमले चिंताजनक है।

पति ने की दूसरी शादी, विरोध करने पर पत्नी को पीटा

- महाराजपुरा थाना पुलिस ने दर्ज किया मामला

ग्वालियर। पति द्वारा दूसरी शादी करने का पता जब पत्नी को चला तो उसने विरोध किया। पत्नी को विरोध करते देखकर पति ने उसकी जमकर धुनाई लगा दी। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के एम ब्लॉक शताब्दीपुरम की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उससे पहले ही पति फरार हो गया। पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए भर्ती कराकर मामला दर्ज कर लिया है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के एम ब्लॉक शताब्दीपुरम निवासी श्वेता भदौरिया पत्नी रमन सहाय श्रीवास्तव ने शिकायत की है कि उसकी पहली शादी नरेन्द्र चौहान से हुई थी, लेकिन मन नहीं मिलने पर उसने तलाक ले लिया था और उसके बाद उसकी पहचान रमन सहाय श्रीवास्वत से हुई थी। एक दूसरे को पंसद करने के कारण वर्ष 2021 में उन्होंने शादी कर ली। अभी कुछ दिनों से रमन के व्यवहार में परिवर्तन आने लगा था। 25 नवंबर को श्वेता को पता चला कि रमन सहाय ने दूसरी शादी कर ली है और जब 29 नबंवर को वह उससे मिलने आया तो उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसकी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से फरार हो गया। घायल महिला को उपचार के लिए पहुंचा कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

डॉक्टर से परिचित महिला ने गाली गलोज कर दी धमकी

ग्वालियर। डॉक्टर से पूर्व परिचित महिला ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दे दी। घटना गिरवाई थाना क्षेत्र के वीरपुर बांध के पास की है। घटना का शिकार डॉक्टर थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। अजयपुर स्थित द्वारिका अपार्टमेंट निवासी राज प्रजापति पुत्र सुरेश प्रजापति डॉक्टर है और वीरपुर बांध के पास उसका सनी क्लीनिक है। बीते रोज वह मरीजों को देख रहा था कि तभी उसकी परिचित अमृता वर्मा वहां पर पहुंची और उससे गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। घटना का शिकार पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

बाल भवन में आयुष्मान कार्ड शिविर आज

ग्वालियर। सत्तर वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये आज सोमवार 2 दिसंबर को बाल भवन में शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगेगा। इस शिविर के माध्यम से ग्वालियर शहर में निवासरत वृद्धजनों के साथ-साथ अधिकारी एवं कर्मचारी भी अपने परिवार के 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवा सकेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव ने शहरवासियों से इस शिविर का लाभ उठाकर 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की है।

वरिष्ठ नागरिकों के घर घर जाकर बनाए आयुष्मान कार्ड

नगर निगम के सभी क्षेत्रीय कार्यालय व जनमित्र केन्द्र पर 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने गए। निगम आयुक्त अमन वैष्णव के आदेशानुसार आयुष्मान भारत ''प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' के अंतर्गत नगर निगम के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों व जनमित्र केन्द्रों पर 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय 11, 4,15 सहित अन्य क्षेत्रीय कार्यालय पर एवं घर घर जाकर 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

वार्ड 39 पार्षद उपचुनावः कांग्रेस-बीजेपी दोनों ही दलों का प्रचार ठंडा

-जितेन्द्र पाठक-

ग्वालियर। ग्वालियर के वार्ड 39 में हो रहे पार्षद के उपचुनाव में अभी माहौल ठंडा नजर आ रहा है। बीजेपी पार्षद राजाबेटी माहौर के निधन के बाद यहां उपचुनाव हो रहा है। कांग्रेस की तरफ से पिछले चुनाव में प्रत्याशी रहीं शिवानी आकाश खटीक मैदान में हैं तो बीजेपी की तरफ से पूर्व महापौर पूरन सिंह पलैया की बहू अंजली राजू पलैया को टिकट मिला है। वहीं ज्योति राजेंद्र निर्दलीय प्रत्याशी हैं। हालांकि इस बार समीकरण भी थोड़े बदले हुए हैं।

उपचुनाव में 9 दिसंबर को मतदान होना है लेकिन अभी तक क्षेत्र में दोनों ही पार्टियों की तरफ से प्रचार में कोई शोरगुल नजर नहीं आ रहा है। प्रत्याशी चार-पांच लोगों के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे है और पेम्प्लेट बांट रहे है। और घर घर जाकर ही मतदाताओं से बात कर रहे हैं। बीजेपी की अंजली राजू पलैया का ये पहला चुनाव है। जबकि शिवानी आकाश खटीक पिछला चुनाव

लड़कर हार चुकी है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों की बात करें तो इस चुनाव में अभी तक बीजेपी की तरफ से प्रत्याशी को जिताने के लिए अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी क्षेत्र में अलग अलग समय पर संपर्क कर रहे है, क्योंकि राजू पलैया खुद जिला भाजपा में महामंत्री हैं। उनकी छवि भी भाजपा में विनम्र और लचीले नेता के रूप में है। उधर शिवानी आकाश खटीक के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता या पदाधिकारी बीजेपी के मुकाबले उतने सक्रिय नजर नहीं आ रहे है।

पिछले निकाय चुनाव के दौरान इस विधानसभा क्षेत्र के विधायक कांग्रेस के प्रवीण पाठक थे, लेकिन उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में अब बीजेपी के नारायण सिंह कुशवाह यहां से विधायक और मंत्री हैं तो इसका लाभ बीजेपी को मिलना तय है। इसके अलावा इस वार्ड से कांग्रेस नेता रहे अलबेल घुरैया की पत्नी कई बार पार्षद रहीं है, वो अलबेल सिंह भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इसका असर भी चुनाव पर पड़ सकता है। ऐसे में इस उपचुनाव में बीजेपी की अंजली राजू पलैया के मुकाबले कांग्रेस प्रत्याशी शिवानी आकाश खटीक के सामने ज्यादा चुनौतियां हैं। हालांकि यहां से दिवंगत पूर्व पार्षद राजाबेटी माहौर के बेटी भी बीजेपी से टिकट के लिए दावेदारी कर रहीं थी लेकिन पार्टी ने टिकट अँजली को दे दिया। कुल मिलाकर कांग्रेस प्रत्याशी शिवानी आकाश खटीक के पास एक चुनाव का अनुभव है तो वही अंजलि राजू पलैया एकदम नया चेहरा है। ऐसे में मुकाबला टक्कर का हो सकता है।

वार्ड 39 के चुनाव के लिए हुआ ईवीएम का प्रथम रेण्डमाइजेशन

ग्वालियर। नगर निगम के वार्ड-39 के उप चुनाव में उपयोग में लाई जाने वाली ईवीएम (इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन) का प्रथम रेण्डमाईजेशन रविवार को किया गया। यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं प्रत्याशियों की मौजूदगी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने पूरी पारदर्शिता के साथ ईवीएम रेण्डमाइजेशन कराया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन व सहायक रिटर्निंग अधिकारी अशोक चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण व प्रत्याशी मौजूद थे।

9 को मतदान और 12 को होगी मतगणना

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्वालियर नगर निगम के वार्ड-39 में उपचुनाव के लिये सोमवार 9 दिसम्बर को प्रातरू 7 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक मतदान होगा। वार्ड-39 में कुल 15 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। यह मतदान वर्ष 2023 में तैयार की गई नगर निगम ग्वालियर की अंतिम मतदाता सूची के आधार पर होगा। मतगणना गुरुवार 12 दिसम्बर को एमएलबी कॉलेज में की जायेगी।

ट्रेड लाइसेंस के लिए निगम अधिकारियों ने किया संस्थानों का निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम सीमातर्गत सभी व्यापारी नगर निगम से ट्रेड लाइसेंस ले और अपना व्यापार सुगमता से करें। इसके लिए नगर निगम द्वारा सभी को ट्रेड लाइसेंस प्रदान किया जा रहे हैं। नोडल अधिकारी राजस्व अनूप लिटोरिया ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस देने हेतु उपायुक्त सुनील चौहान के साथ विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया। जिसमें होटल अल्फांजो, क्वालिटी, लैंडमार्क, कम्पोजिट वाइन शॉप, कोटक महिंद्र, आई सी आई सी आई, को ट्रेड लाइसेंस के बनवाने हेतु संबंध में निर्देशित किया गया। इसके साथ ही अनेक संस्थानों को नोटिस जारी किए गए। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक सिटी सेंटर ग्वालियर को ट्रेड लाइसेंस बनवाने के लिए राजस्व नोडल अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया। साथ ही गोल्ड सिनेमा सालासर सिटी सेंटर, में प्रदर्शन कर शो टैक्स की जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही होटल सेंट्रल पार्क, होटल शुभम, होटल एम्बिएन्स को ट्रेड लाइसेंस के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही डीबी मॉल आईनॉक्स पीवीआर में प्रदर्शन कर शो टैक्स चेक किया गया। साथ ही डीबी मॉल में शॉप वालों से ट्रेड लाइसेंस के लिए निर्देशित किया गया।

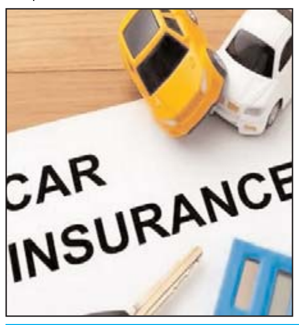

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 पुराने कार इंश्योरेंस का नो-क्लेम-बोनस नई कार में ट्रांसफर करें | सम्पादकीय केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष,.... | एक हफ्ते में LIC का मार्केट कैप ?60,656 करोड़ 5

वर्ष 18 ● अंक 285 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | भोपाल, सोमवार 02 दिसम्बर 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से नीचे नहीं होनी चाहिए इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें : मोहन भागवत

आर.एन.एस.

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे।

देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा।

भागवत रविवार को नागपुर में कठाले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है।

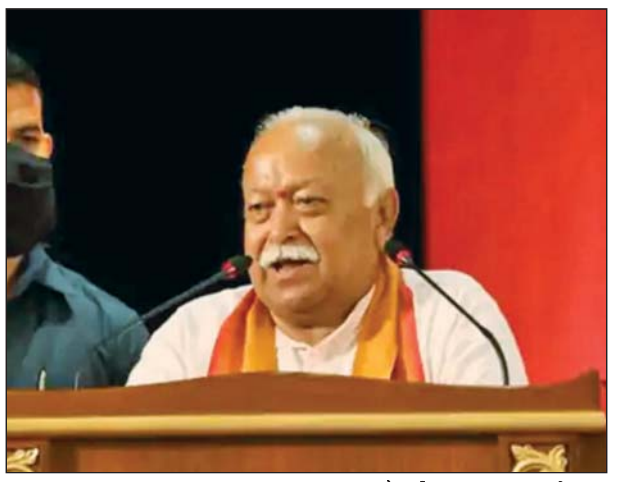

अक्टूबर 2021- जनसंख्या दर में अंतर के कारण मुस्लिम आबादी बढ़ी विजयादशमी उत्सव के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88त्न से घटकर 83.8 प्रतिशत रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 14.24 प्रतिशत हो गया है। असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए।

जुलाई 2022- फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे आना खतरनाक हो सकता है भागवत ने एक साल बाद फिर कहा- एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था। दुनिया की आशंकाओं से उलट हमने बेहतर किया और इसे 2 तक लेकर आए, लेकिन और नीचे आना खतरनाक हो सकता है।

मुंबई में 26 साल की महिला डिजिटल अरेस्ट

मनी लॉन्ड्रिंग में पूछताछ के लिए होटल बुक कराया, 1.7 लाख वसूले

आर.एन.एस.

मुंबई। मुंबई में एक 26 साल की महिला को डिजिटल अरेस्ट कर वीडियो कॉल पर उसके कपड़े उतरवाए गए। ठगों ने फार्मास्यूटिकल कंपनी में काम करने वाली महिला के सामने खुद को दिल्ली पुलिस का अफसर बताया। आरोपियों ने महिला से कहा कि उसका नाम जेट एयरवेज के फाउंडर-चेयरमैन नरेश गोयल से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। गोयल अभी जेल में है। इसके बाद ठगों ने महिला से 1.7 लाख रुपए की वसूली की।

पूछताछ के लिए होटल रूम बुक कराया मुंबई में रहने वाली एक 26 साल की महिला को ठगों ने 19 नवंबर को कॉल करके बताया कि उसका नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। महिला को अपनी बात पर यकीन दिलाकर ठगों ने वॉयस कॉल को वीडियो कॉल पर शिफ्ट किया। इसके बाद आगे की पूछताछ के लिए महिला से होटल रूम में चेक इन करने को कहा।

बैंक अकाउंट वेरीफाई करने 1.7 लाख ट्रांसफर कराए

होटल में चेक इन के बाद ठगों ने वीडियो कॉल पर ही महिला की बैंक डिटैल वेरीफाई करने के लिए 1 लाख 78 हजार रूपए ट्रांसफर करने को कहा। इसके बाद बॉडी वेरिफिकेशन के लिए ठगों ने महिला से उसके कपड़े भी उतरवाए

जब महिला को इस बात का अहसास हुआ कि उसे ठगा गया है तो उसने 28 नवंबर को पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जननी संरक्षक अभियान गर्भवती माताओं के लिए वरदान साबित हुआ: केंद्रीय मंत्री सिंधिया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। जननी संरक्षक अभियान गर्भवती माताओं के उज्जवल भविष्य के लिए वरदान साबित हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस महत्वपूर्ण अभियान के माध्यम से जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की चिताओं से मुक्त करने की अनूठी पहल की गई है। यह बात केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को जिला मुख्यालय अशोकनगर के तुलसी सरोवर पर आयोजित जननी संरक्षक अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि कुपोषण आज हमारे देश में जटिल समस्या है। कुपोषण से निपटने के लिए यह अभियान काफी सार्थक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों एवं समाज सेवियों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है। इसके सार्थक परिणाम

जननी संरक्षक अभियान कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया हुए शामिल

सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पुनीत अभियान में सेहत की टोकरी के साथ-साथ जीवन यापन की मुहिम चलानी होगी। उन्होंने कहा कि संविधान के संकल्प जैसा कुपोषण मुक्ति का भी संकल्प लेना होगा। घर-घर प्रत्येक व्यक्ति को अभियान से जोड़कर इसको आगे बढ़ाना होगा। महिलाओं को प्रथम पंक्ति में लाने के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के लिए आवास हेतु 22 करोड़ घर स्वीकृत कर प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ महिलाओं को इससे जोड़ा गया। साथ ही स्व सहायता समूह की गतिविधियों के अंतर्गत 11 करोड़ महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कलेक्टर सहित समस्त जिला प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि अशोकनगर जिले में जननी संरक्षक अभियान एक उदाहरण देश एवं प्रदेश के लिए प्रस्तुत किया गया है यह अनोखा प्रयास है।

कार्यक्रम में कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा जिले में चलाये जा रहे जननी संरक्षक अभियान की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी,अशोकनगर विधायक हरीबाबू राय, भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी एवं नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, गजराम सिंह यादव, लड्डूराम कोरी, राजकुमार सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत डॉ.नेहा जैन सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में जननी संरक्षक, महिलाएं उपस्थित रहीं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयास से माधव राष्ट्रीय उद्यान को मिली बड़ी सौगात

जल्द आएंगे 2 और बाघ, 'टाइगर रिज़र्व' का दर्जा मिलने पर भी मंजूरी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

शिवपुरी। शिवपुरी को पुनः एकबार बड़ी सौगात देते हुए केंद्रीय मंत्री

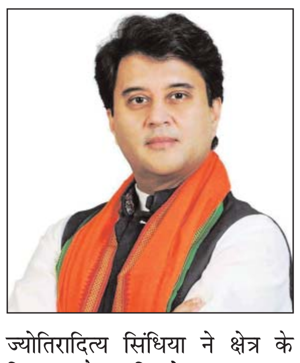

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने क्षेत्र के विकास और प्रगति को एक नया बल दिया है। बता दें की पिछले वर्ष मार्च में माधव राष्ट्रीय उद्यान में सिंधिया के प्रयासों से 3 बाघों को पुनर्स्थापित किया गया था। यह एक ऐतिहासिक अवसर था क्योंकि करीब 30 वर्षों बाद उद्यान में बाघ आए थे। उद्यान के विकास को और अधिक बल देते हुए सिंधिया ने दो बड़ी सौगात दी हैः-

2 अन्य बाघों को लाएंगे शिवपुरी

बता दें कि सिंधिया की मेहनत से वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी की टेक्निकल कमिटी द्वारा 2 बाघ (1 नर और 1 मादा) को शिवपुरी के उद्यान में लाने के लिए मंजूरी मिल गई है।

टाइगर रिज़र्व का मिलेगा स्टेटस

नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी की टेक्निकल कमिटी द्वारा माधव राष्ट्रीय उद्यान को 'टाइगर रिज़र्व' का दर्जा देने के निर्णय को भी मंजूरी दी गई है। दोनों सौगातों का नोटिफिकेशन जल्दी ही आएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंधिया ने दिया था अपडेट, रात भर में मिली मंजूरी

बता दें की कल सिंधिया ने कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन के साथ 3 घंटे लंबी बैठक की थी। इस बैठक के बाद उन्होंने प्रेस से वार्ता करते हुए यह बताया था कि वह पूरी कोशिश कर रहे हैं की उद्यान को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिले व यहां 2 और बाघों की पुनर्स्थापना की जाए। सिंधिया के प्रेस वार्ता के 24 घंटे के भीतर ही इन दोनों ही कार्यों को मंजूरी मिल गई।

उद्यान की अधोसंरचना पर दे रहे हैं खास ध्यान

बता दें की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उद्यान की अधोसंरचना को मजबूत करने पर खास ध्यान दे रहे हैं। जहां कल उन्होंने उद्यान के भीतर स्थित सागर जलाशय में Floating Weed Collector Boat को लॉंच किया जिससे झील की साफ सफाई सुनिश्चित होगी वहीं उन्होंने कल उद्यान में पर्यटकों की सुविधा हेतु 2 अन्य जीपों की व्यवस्था के कार्य को भी मंजूरी दी है।

चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी : केन्द्रीय मंत्री नड्डा

एचआईवी/एड्स की जंग को जीतने में समाज के सभी वर्ग सक्रियता से करें सहयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने म.प्र. की चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सराहा

भोपाल। केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रविवार को इंदौर में विश्व एड्स दिवस का राष्ट्रीय आयोजन हुआ। केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ भारत में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जा रही है। इसमें आशातीत सफलता भी मिल रही है। देश में एचआईवी/एड्स नियंत्रण के लिये संकल्पबद्ध होकर तेजी से प्रयास किये जा रहे है। इसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे है। एचआईवी/एड्स प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा की जा रही है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा 2017 से एचआईवी/एड्स नियंत्रण के लिये तेजी से प्रयास शुरू किये गये हैं।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सभी का सहयोग जरूरी है। एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों को मौलिक अधिकारों के साथ उन्हें मानव अधिकार भी प्राप्त हो। उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। हमें उनके अधिकारों का सम्मान करते हुए उन्हें भी वहीं मान-सम्मान देना चाहिए, जो अन्य सामान्य व्यक्ति को हम देते हैं, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी लाने और मृत्यु की

संख्या को कम करने के लिये सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किये है। यह लक्ष्य वर्ष 2030 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने समाज के सभी वर्गों का आहवान किया कि वे इस दिशा में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पुनः संकल्प बद्ध होकर नई ऊर्जा और नई स्फूर्ति से जुट जाये।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम-2017 लागू किया गया। इस अधिनियम के माध्यम से एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। इस अधिनियम से एचआईवी/एड्स से संक्रमित और प्रभावित व्यक्तियों के कानूनी और मानवाधिकारों को सुदृढ़ बनाया गया है। यह अधिनियम स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स से प्रभावित व्यक्तियों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं, इलाज, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में नयी पहचान कायम की है। कोरोना प्रबंधन हो या अनेक संक्रामक बीमारियों के इलाज के लिये टीकों और दवाईयों की खोज हो, देश का विश्व में अग्रणी स्थान बना है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में मध्यप्रदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश देश में इस क्षेत्र में अग्रणी है। मध्यप्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज खोले गये है।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में देश में सबसे आगे है और सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिये उन्होंने मध्यप्रदेश की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में तेजी से नये मेडिकल कॉलेज खोले गये है, आगे भी नए मेडिकल कॉलेज खोले जायेंगे। भोपाल में एम्स की स्थापना भी की गई है। मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है। आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश में अव्वल है।

÷टेक द राइट्स पाथ÷ के अनुरूप कार्य कर वर्ष 2028 तक वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करेंगे ÷ मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर इंदौर में यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिये केन्द्रीय मंत्री नड्डा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से समुदायों, युवाओं, लाभार्थियों और विभिन्न संगठनों को एक साथ लाकर वर्ष 2030 तक एचआईवी/एड्स को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने, चुनौतियों का समाधान करने में मददगार होगा। हमारा प्रयास होगा की यूएन की थीम, ÷टेक द राइट्स पाथ÷ के अनुरूप कार्य कर वर्ष 2028 तक वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त किया जाये। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता आयेगी। एचआईवी/एड्स की जंग में संघर्ष करने में मदद मिलेगी। समाज को साथ में लाकर एचआईवी/एड्स के खिलाफ जंग में जागरूकता लाई जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस तरह भारत में सदी के सबसे भयावह दौर कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड से जंग लड़ी गई और सफलता हासिल की गई, उसे देखकर लगता है कि हम एचआईवी/एड्स के खिलाफ जंग में भी विजय हासिल करेंगे। उन्होंने मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिये प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरलीकृत व्यवस्था से प्रदेश में मेडिकल कॉलेज खोलने के कार्य को नयी गति मिली है। अब प्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी भोपाल में नवंबर में ठंड का 36 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड शुरू हो गई है। यूपी-बिहार समेत देश के 5 राज्यों में कोहरा छाया हुआ है। मध्य प्रदेश के भोपाल में शनिवार रात का टेंपरेचर 8 डिग्री तक पहुंच गया। पिछले 36 साल में नवंबर में यह सबसे कम टेंपरेचर रहा। उधर पाकिस्तान से एक डिस्टर्बेंस जम्मू-कश्मीर पहुंच रहा है। कश्मीर में बर्फबारी हो रही है। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में अगले दो दिनों में बर्फबारी हो सकती है। फेंगल तूफान से आज भी पुडुचेरी में भारी बारिश होगी। आईएमडी के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं रुका हुआ है, लेकिन अगले तीन घंटों में धीरे-धीरे कमजोर हो जाएगा।

जयपुर। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष बासुदेव देवनानी से उनके जयपुर स्थित निवास पर सौजन्य भेंट की।

बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा : मंत्री कुशवाह

- उद्यानिकी मंत्री ने वार्ड 38 में किया सीसी रोड का भूमिपूजन

ग्वालियर। सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को वार्ड-38 में स्थित गली नंबर-3 कालका विहार बेलदार का पुरा में 11 लाख रुपए की लागत से बनने जा रही सीसी रोड का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लश्कर क्षेत्र की प्रत्येक बस्ती में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा। सरकार सड़क, सीवर व पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए धन की कमी नहीं आने देगी। कार्यक्रम में भगवान सिंह कुशवाह, वीरेन्द्र कोटिया, राम सिंह कुशवाह, अशोक वर्मा, पंकज वर्मा, राजेश कुशवाह, राकेश छिलवार, डॉ. कमल राजपूत व मुकेश अग्रवाल मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर पूरे प्रदेश में हों कार्यक्रम : मंत्री कुशवाह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि 03 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर पूरे प्रदेश के दिव्यांगों की क्षमताओं और उपलब्धियां का उत्सव मनाते हुए एक समावेशी समाज के निर्माण में प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कार्यक्रम किये जाये।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि सुगम भारत अभियान के अंतर्गत हम सबको मिलकर सुगम वातावरण निर्माण और आईटीसी पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने का कार्य करना चाहिए, इससे दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने का मार्ग प्रशस्त होगा। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राज्य के प्रमुख पर्यटक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थान पर दिव्यांगजनों के कार्यक्रम आयोजित किये जाएं। ऐसे आयोजनों से न केवल समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा बल्कि जनता को सुगमता के महत्व के प्रति हम जागरूक भी कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस हमारी समाज के इस वर्ग के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाला दिवस है। दिव्यांगजन, समाज की मुख्य धारा से जोड़कर आगे लाना और उनके लिए समान अवसर उपलब्ध कराना हम सब का दायित्व है।

ईवीएम हैक करने का दावा करने वाले पर एफआईआर

मुंबई। चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन हैक करने का दावा करने वाले सैयद शुजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। 30 नवंबर को साउथ मुंबई के साइबर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

14 नवंबर को सैयद शुजा का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वो दावा कर रहा था कि वह महाराष्ट्र चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम को हैक कर सकता है। उसने नेताओं को ऑफर भी दिया था कि 53 करोड़ देने पर 63 सीटों की ईवीएम हैक कर देगा। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ईवीएम हैक करने के दावे बिल्कुल निराधार, झूठे और अप्रमाणित हैं।

हैकर शुजा ने नेताओं को चुनाव जिताने का लालच दिया था महाराष्ट्र चुनाव के दौरान सैयद शुजा ने कुछ नेताओं से चुनाव जिताने के लिए संपर्क किया था। उनसे दावा किया था कि वह अमेरिकी रक्षा विभाग की तकनीक का इस्तेमाल करके ईवीएम हैक कर सकता। इसके लिए वो पैसे लेगा। शुजा का कहना है कि वह अमेरिकी रक्षा विभाग में कॉन्ट्रेक्ट पर काम करता है। शुजा ने 2019 में भी यही दावा किया था।

संपादकीय

केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष, हंगामे की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह

कांग्रेस संसद में गौतम अदाणी मामले के साथ मणिपुर की हिंसा को भी मुद्दा बना रही है लेकिन यह स्पष्ट ही है कि उसके निशाने पर अदाणी ही हैं। निःसंदेह शांत होना मणिपुर फिर से अशांत हो गया है और वहां के हालात पर संसद में चर्चा होनी चाहिए लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य हंगामा करना ही अधिक नजर आता है। संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरू होने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरू होने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के चंद दिन पहले अमेरिकी अदालत का यह सनसनीखेज आदेश आया कि अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी की ओर से भारत में सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए कुछ राज्य सरकारों को रिश्वत दी गई और चूंकि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अमेरिका के निवेशकों से पैसा लिया गया, इसलिए अमेरिका के कानूनों के तहत इस मामले की जांच अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से की जा रही है। इस मामले में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के कुछ अधिकारियों को आरोपित किया गया है। न्यूयार्क की अदालत की मानें तो अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 22 सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की रिश्वत दी।

अदाणी समूह पहली बार विवादों में नहीं आया। इसके पहले अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडनबर्ग की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि इस समूह ने अपने शेयरों में हेराफेरी की। यह रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन बाद में एक बड़ी हद तक क्षति की भरपाई हो गई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही नहीं माना। इसके कुछ समय बाद हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर निशाना साधते हुए सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच को भी कठघरे में खड़ा किया। उसका आरोप था कि सेबी प्रमुख के रूप में उन्होंने अदाणी समूह पर लगे आरोपों की सही तरह जांच करने के बजाय उसका बचाव किया। इस आरोप का कोई असर निवेशकों पर नहीं पड़ा। न्यूयार्क की अदालत की ओर से आए आदेश के बाद अदाणी समूह शेयर बाजार में हुए नुकसान से उबर रहा है। साफ है कि भारतीय निवेशक न्यूयार्क की अदालत के आरोपों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहे हैं। अदाणी समूह का बचाव जाने-माने वकील महेश जेठमलानी की ओर से भी किया गया। उनके अनुसार अमेरिकी अदालत के अभियोग में भारत में रिश्वत देने को लेकर कोई सुबूत पेश नहीं किया गया और उसमें यह भी नहीं बताया गया कि भारत में किस कानून का उल्लंघन हुआ है। पूर्व अटार्नी जनरल मुकुल रोहतगी का भी यह कहना है कि आरोप गौतम अदाणी या उनके भतीजे सागर अदाणी पर नहीं, बल्कि उनकी कंपनियों पर हैं और यह भी स्पष्ट नहीं कि रिश्वत कैसे दी गई? सच जो भी हो, यह देखना दिलचस्प है कि अदाणी मामले को तूल दे रही कांग्रेस को सहयोगी दलों का साथ नहीं मिल रहा है। तृणमल कांग्रेस ने साफ संकेत दिया है कि वह संसद में अदाणी मामले को तूल नहीं देने वाली। यह भी कांग्रेस के लिए झटका है कि आइएनडीआइए की एक अन्य घटक माकपा भी इस मामले को तूल देने को तैयार नहीं। बीते दिनों ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल की वाम मोर्चा सरकार ने अदाणी समूह के साथ बंदरगाह के विकास को लेकर एक समझौता किया है। देखना है कि इसके बाद कांग्रेस क्या करती है?

भारत का पुराना परीक्षा जुनून छात्रों के भविष्य को कैसे प्रभावित कर रहा है?

भारत भर में बड़ी संख्या में छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर दबाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे देश में जहां कैट, एनईईटी और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अक्सर किसी के भविष्य को परिभाषित करती प्रतीत होती है, यह क्षण सब कुछ या कुछ भी नहीं जुआ जैसा लगता है। बहुत से लोगों के लिए, इन परीक्षाओं में असफलता जीवन में विफलता के बराबर होती है। हर साल, 10 लाख से अधिक छात्र जेईई मेन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते हैं, जबकि एनईईटी और भी अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, 2024 में 23.8 लाख पंजीकरण के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है। करियर को आकार देने के लिए होने वाली ये परीक्षाएं बड़ी तनाव पैदा करने वाली बन गई हैं, छात्र भारी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के तहत 14 या 15 साल की उम्र में ही तैयारी शुरू कर देते हैं।

भारत में परीक्षा के प्रति गहरा जुनून एक सांस्कृतिक और सामाजिक घटना है जिसने छात्रों, परिवारों और शैक्षिक प्रणालियों को लंबे समय तक प्रभावित किया है। इस ÷परीक्षा जुनून÷ की जड़ें इस विश्वास में हैं कि परीक्षा शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का सबसे विश्वसनीय उपाय है। भारत की परीक्षा-केंद्रित शिक्षा प्रणाली छात्रों के व्यक्तिगत विकास, करियर विकल्पों और वैश्विक मांगों के प्रति अनुकूलन क्षमता को सीमित करती है। भारत भर में बड़ी संख्या में छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर दबाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे देश में जहां कैट, एनईईटी और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अक्सर किसी के भविष्य को परिभाषित करती प्रतीत होती है, यह क्षण सब कुछ या कुछ भी नहीं जुआ जैसा लगता है। बहुत से लोगों के लिए, इन परीक्षाओं में असफलता जीवन में विफलता के बराबर होती है। हर साल, 10 लाख से अधिक छात्र जेईई मेन परीक्षा के लिए पंजीकरण करते हैं, जबकि एनईईटी और भी अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, 2024 में 23.8 लाख पंजीकरण के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है। करियर को आकार देने के लिए होने वाली ये परीक्षाएं बड़ी तनाव पैदा करने वाली बन गई हैं, छात्र भारी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के तहत 14 या 15 साल की उम्र में ही तैयारी शुरू कर देते हैं। नीट 2024 जैसे विवादों से यह बड़ी तीव्र प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता ने चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य संकट को जन्म दिया है। 2022 में, 13,000 से अधिक छात्रों की आत्महत्या की सूचना मिली, जो ऐसी सभी मौतों का 7.6 प्रतिशत है, जो सुधार की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। लेकिन क्या अब इस आख्यान पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है? भारत की %परीक्षा संस्कृति% की लंबे समय से परीक्षण पर गहन ध्यान केंद्रित करने के लिए आलोचना की जाती रही है, अक्सर भावनात्मक कल्याण और व्यापक कौशल विकास की कीमत पर। वैकल्पिक शैक्षिक मार्गों और उद्योग-आधारित शिक्षा के उदय के बावजूद, यह धारणा कायम है कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना ही समृद्ध करियर का एकमात्र रास्ता है। यह न केवल असत्य है, बल्कि हानिकारक भी है, यह न केवल

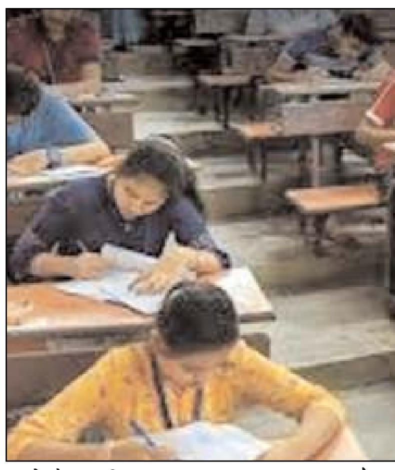

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया कैसे काम करती है, इसके बारे में गलत दृष्टिकोण देता है। परीक्षा के दबाव की कीमत कोटा जैसे शहरों में, जिन्हें अक्सर भारत की %कोचिंग राजधानी% कहा जाता है, हर साल हजारों छात्र सुनहरे टिकट की तलाश में पलायन करते हैं, जो विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश का वादा करता है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, कोटा में हर साल 200,000 छात्र आते हैं, जिससे 600 अरब रुपये से अधिक की कमाई करने वाले कोचिंग उद्योग को बढ़ावा मिलता है। फिर भी इस फलते-फूलते व्यवसाय के पीछे एक कड़वी सच्चाई है कि छात्र, जिनमें से कुछ 16 वर्ष की आयु के भी हैं, अत्यधिक दबाव झेलते हैं, अक्सर अपने मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर। एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले 30% छात्र गंभीर चिंता की शिकायत करते हैं, जिनमें से कुछ अवसाद के चक्र में गिर जाते हैं। संख्याएँ एक गंभीर तस्वीर पेश करती हैं, लेकिन अंतर्निहित मुद्दा और भी अधिक चिंताजनक है÷ छात्रों की एक बड़ी संख्या का मानना ??है कि परीक्षा में असफल होने का मतलब उनके भविष्य का अंत है। यह सच्चाई से दूर नहीं हो सकता है। ÷हमने एक ऐसी संस्कृति बनाई है जहां सफलता को परीक्षा के अंकों द्वारा सीमित रूप से परिभाषित किया जाता है, और यह अविश्वसनीय रूप से हानिकारक है। परीक्षाएँ केवल एक रास्ता है, एकमात्र मार्ग नहीं। इन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष अंक प्राप्त किए बिना सार्थक और सफल करियर बनाने के अनगिनत तरीके हैं। फोकस की कमी ऐसा नहीं है कि परीक्षा की तैयारी करना कोई बुरी बात है। यह कड़ी मेहनत, अनुशासन और लचीलेपन के गुण पैदा करता है। लेकिन वास्तविक दुनिया में सफल होने के लिए और भी कौशल की आवश्यकता होती है। विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, 75% भारतीय नियोक्ता अब समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक कौशल जैसे कौशल को प्राथमिकता देते हैं।महज शैक्षणिक साख से अधिक बुद्धिमत्ता। ÷हम देख रहे हैं कि अधिक से अधिक कंपनियां इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि उम्मीदवार क्या कर सकते हैं, बजाय इसके कि उन्होंने कौन सी परीक्षा उत्तीर्ण की है। समस्या यह है कि कई छात्रों को इस बदलाव के बारे में पता नहीं है क्योंकि सिस्टम उन्हें बताता रहता है कि परीक्षा ही सब कुछ है।%% यही ग़लतफ़हमी है जो कोचिंग उन्माद को बढ़ावा देती रहती है। इस बात को नजरअंदाज कर दिया गया है कि सभी भारतीय स्नातकों में से लगभग आधे अपनी प्रभावशाली शैक्षणिक योग्यता के बावजूद, उन नौकरियों के लिए तैयार नहीं महसूस करते हैं जिनके लिए वे आवेदन कर रहे हैं। अतीत की प्रणालियों से आगे बढ़ना भारत की शिक्षा प्रणाली सैद्धांतिक ज्ञान पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कुख्यात है। कई छात्र, स्कूली परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, विभिन्न प्रश्न पैटर्न और विश्लेषणात्मक मांगों के कारण प्रवेश परीक्षाओं में खुद को संघर्ष करते हुए पाते हैं। जो लोग इन परीक्षाओं में सफल होते हैं उन्हें अभी भी कार्यस्थल पर संघर्ष करना पड़ सकता है। ÷शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच एक अंतर है,÷ ÷कई संस्थान रटकर सीखने और सिद्धांत पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं, जबकि नियोक्ता वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान कौशल की मांग कर रहे हैं। यह विसंगति छात्रों को अप्रस्तुत महसूस कराती है और कोचिंग सेंटरों के विस्फोट की ओर ले जाती है। ऐसे कार्यक्रम जो इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा और उद्योग प्रदर्शन को प्रोत्साहित करते हैं, इस विभाजन को पाटने में महत्वपूर्ण हैं। ÷इसके अलावा भी, उद्योग-प्रासंगिक कौशल विकसित करने के इतने सारे अवसर हैं कि छात्र चाहे कहीं भी हों, शुरुआत कर सकते हैं। एकाधिक ड्रॉप वर्ष लेने का कोई मतलब नहीं है। विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की तैयारी जरूर करनी चाहिए, लेकिन मैं उनसे हमेशा कहता हूं कि इसके लिए अपनी जिंदगी मत रोको। एक इंटर्नशिप चुनें, एक इंस्टाग्राम पेज बनाएं, अपने स्थानीय व्यवसायों की मदद करें, एक व्यावहारिक पाठ्यक्रम चुनें और वास्तव में अपने लिए वैकल्पिकता का निर्माण करें। भारत की परीक्षा संस्कृति में गहरे विश्वास के बावजूद, बढ़ती संख्या में आवाजें फोकस में बदलाव की मांग कर रही हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने समग्र विकास, व्यावहारिक कौशल और उद्यमशीलता शिक्षा को बढ़ावा देकर इन कमियों को दूर करने के लिए कई कदम आगे बढ़ाए हैं। लेकिन आगामी परीक्षाओं का बोझ महसूस कर रहे हजारों छात्रों के लिए यह सुधार इतनी जल्दी नहीं आ सकता। निष्कर्ष ÷सफलता सभी के लिए एक ही आकार की यात्रा नहीं है। चाहे वह परीक्षा, कौशल या दोनों के संयोजन के माध्यम से हो, छात्रों के पास संतोषजनक करियर बनाने के अनगिनत अवसर हैं। अब समय आ गया है कि हम उन वैकल्पिक मार्गों का भी उतना ही जश्न मनाना शुरू करें, जितना हम शीर्ष परीक्षा अंकों का जश्न मनाते हैं।%% भारत में सफलता का मार्ग पारंपरिक परीक्षाओं से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। जबकि कैट, एनईईटी और जेईई जैसे परीक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे, उन्हें एकमात्र विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

(लेखक विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन , ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं। पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था। पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के ख़िलाफ़ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है। तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं। बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ÷दूसरे÷ के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे।मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे। जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं।आगे क्या होगा शायद खुदा को खुद भी पता न हो। आगे - आगे देखिये होता है क्या?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

चुनाव आयोग ने दिया जवाब

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में हार की खीझ ईवीएम पर उतारने वाली कांग्रेस का रोना-धोना बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब वह यह शिकायत लेकर सामने आ गई है कि महाराष्ट्र में अंतिम क्षणों में मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई और कई लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस नेताओं को उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया है। देखना है कि वे चुनाव आयोग के अधिकारियों से भेंट करने जाते हैं या नहीं और यदि जाते हैं तो उनके तर्कों से संतुष्ट होते हैं या नहीं?

कांग्रेस किस तरह अपना उपहास उड़वा रही है इसका पता इससे चलता है कि खुद उसका आंतरिक सर्वे यह कह रहा था कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के मुकाबले विधानसभा चुनावों में उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है। आखिर इसके बाद ईवीएम को कोसने का क्या मतलब? क्या इसलिए कि अपने कार्यकर्ताओं को गुमराह किया जा सके और समीक्षा के नाम पर चुनाव आयोग पर तोहमत मढ़ी जा सके? महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में हार की खीझ ईवीएम पर उतारने वाली कांग्रेस का रोना-धोना बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब वह यह शिकायत लेकर सामने आ गई है कि महाराष्ट्र में अंतिम क्षणों में मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई और कई लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस नेताओं को उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया है। देखना है कि वे चुनाव आयोग के अधिकारियों से भेंट करने जाते हैं या नहीं और यदि जाते हैं तो उनके तर्कों से संतुष्ट होते हैं या नहीं? कांग्रेस को महाराष्ट्र की चुनाव प्रक्रिया में तो खामी दिख रही है, लेकिन झारखंड में उसे सब कुछ सही लग रहा है। वह जैसा रुदन महाराष्ट्र के नतीजों को लेकर कर रही है, वैसा ही उसने हरियाणा के चुनाव नतीजों के बाद भी किया था। तब यह कहा गया था कि इस्तेमाल के बाद भी ईवीएम की बैटरी 99 प्रतिशत क्यों दिख रही थी? चुनाव आयोग ने इसका जवाब दिया, लेकिन कांग्रेस को यह समझ नहीं आया, क्योंकि उसे कुछ समझना ही नहीं था। इस बार भी वह कुछ न समझे तो हैरानी नहीं। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि एक ओर कांग्रेस के नेता महाराष्ट्र की हार के कारणों की समीक्षा कर रहे हैं और दूसरी ओर ईवीएम को दोष भी दे रहे हैं? यदि दोष कथित तौर पर ईवीएम का है तो समीक्षा किस बात की और यदि कांग्रेस अपनी कमजोरियों से हारी तो फिर ईवीएम को कोसने का क्या अर्थ? कांग्रेस किस तरह अपना उपहास उड़वा रही है, इसका पता इससे चलता है कि खुद उसका आंतरिक सर्वे यह कह रहा था कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के मुकाबले विधानसभा चुनावों में उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है। आखिर इसके बाद ईवीएम को कोसने का क्या मतलब? क्या इसलिए कि अपने कार्यकर्ताओं को गुमराह किया जा सके और समीक्षा के नाम पर चुनाव आयोग पर तोहमत मढ़ी जा सके?

राहुल गांधी ईवीएम के विरुद्ध मोर्चा खोलने के साथ उसके खिलाफ यात्रा करने की भी तैयारी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस यात्रा में वह ईवीएम के स्थान पर मतपत्र से चुनाव कराने पर जोर देंगे। यदि वह ऐसा करते हैं तो कांग्रेस के छोटे-बड़े नेता और यहां तक कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे न चाहते हुए भी उनकी हां में हां मिलाने को मजबूर होंगे। इसका दुष्परिणाम यही होगा कि औसत कांग्रेस कार्यकर्ता यह मानकर चलने लगेंगे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी अपनी कमजोरियों के बजाय ईवीएम के कारण हारी। यह स्वाभाविक है कि इस स्थिति में कांग्रेस आगे भी चुनावों में नाकामी का सामना करेगी। इसके लिए यदि कोई सबसे अधिक जिम्मेदार होगा तो वह होंगे राहुल गांधी, जो अपनी गलतियों का दोष दूसरों पर मढ़ने में माहिर हो चुके हैं।

संभल न पहला है और न ही आखिरी

संभल प्रशासन का दावा है कि पीड़ितों की मौत पुलिस की गोलियों से नहीं हुई। लेकिन यह दावा सवालों के घेरे में है क्योंकि सर्किल अधिकारी ने उत्तेजित मुसलमानों पर गोली चलाने की बात स्वीकार की है। सबसे पहले तो आरोप नागरिक और पुलिस प्रशासन पर आता है जिन्होंने भड़काऊ नारे लगाती भीड़ को शाही मस्जिद तक जाने दिया। उनके रुख ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और गंभीर बना दिया; लोगों के गुस्से को शांत करने के बजाय उन्होंने आग में घी डाल दिया। मस्जिद 'सर्वेक्षण' के फैसले की भी समीक्षा होनी चाहिए। स्थानीय सिविल न्यायाधीश ने मस्जिद समिति का पक्ष जाने बिना सर्वेक्षण का आदेश दे दिया जो निर्धारित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है।

संभल में हाल ही में पांच मुसलमानों की हत्या के कारण व्यापक आक्रोश है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इस बात को लेकर कई तरफ उंगलियां उठ रही हैं। एक वर्ग ऐसा भी है जो इसके लिए कुछ ही दिन पहले रिटायर हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को जिम्मेदार ठहराता है। माननीय चंद्रचूड़ की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन सबसे पहले उनकी बात करते हैं जो सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं- आज की सत्ता में बैठे लोग और वे संस्थाएं जिनका काम कानून का राज बनाए रखने, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सभी नागरिकों के जीवन की रक्षा करने का है। संभल प्रशासन का दावा है कि पीड़ितों की मौत पुलिस की गोलियों से नहीं हुई। लेकिन यह दावा सवालों के घेरे में है क्योंकि सर्किल अधिकारी ने उत्तेजित मुसलमानों पर गोली चलाने की बात स्वीकार की है। सबसे पहले तो आरोप नागरिक और पुलिस प्रशासन पर आता है जिन्होंने भड़काऊ नारे लगाती भीड़ को शाही मस्जिद तक जाने दिया। उनके रुख ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और गंभीर बना दिया; लोगों के गुस्से को शांत करने के बजाय उन्होंने आग में घी डाल दिया। मस्जिद 'सर्वेक्षण' के फैसले की भी समीक्षा होनी चाहिए। स्थानीय सिविल न्यायाधीश ने मस्जिद समिति का पक्ष जाने बिना सर्वेक्षण का आदेश दे दिया जो निर्धारित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है। जिस जल्दबाजी में अदालती कार्यवाही हुई, उससे वकील और न्यायविद भी हैरान रह गए। सर्वेक्षण सिर्फ सात दिनों में पूरा होना था और आदेश जारी होने के चंद घंटों के भीतर ही वरिष्ठ अधिकारियों ने दल-बल के साथ काम शुरू भी कर दिया! ऐसे मामलों में इस तरह की तत्परता नहीं देखी जाती और इससे ऐसा लगता है कि यह लोगों को भड़काने का एक समन्वित प्रयास था। इसके बाद 24 नवंबर को सर्वेक्षण का काम जिस तरह आगे बढ़ाया गया, वह तो और भी ज्यादा परेशान करने वाला है। सर्वेक्षक के साथ लोगों की भीड़ भी थी। (यह कोई हैरानी की बात नहीं है क्योंकि एक दिन पहले ही राज्य में हुए उपचुनाव के नतीजे आए थे।) वीडियो सबूतों से पता चलता है कि पुलिस अधिकारी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश करने के बजाय उनकी मदद ही कर रहे थे। जाहिर है, यह प्रशासनिक कार्रवाई निष्पक्ष नहीं बल्कि मस्जिद पर राज्य समर्थित आक्रमण जैसी थी। बड़ा सवाल यह भी है कि सर्वेक्षण की मांग करने वाले याचिकाकर्ता को सर्वेक्षण दल के साथ जाने की अनुमति क्यों दी गई? साफ है कि अदालत की रुचि निर्धारित प्रक्रिया के पालन में नहीं थी और उसने बेहद पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया। यह भी उतना ही स्पष्ट है कि प्रशासन ने तनाव को बढ़ाने में भूमिका निभाई। उसने स्थानीय लोगों को भरोसे में लेने का कोई प्रयास नहीं किया और फिर जब उन्होंने विरोध शुरु किया तो उन्हें चुप कराने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल किया। जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और सर्किल अधिकारी के बयान कोई दिलासा नहीं दिलाते। उनमें से किसी ने भी जानमाल के नुकसान पर खेद नहीं जताया। पीड़ितों के लिए उनकी भाषा ऐसी थी जैसे वे इंसान ही न हों और अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षा के हकदार नागरिक के बजाय दुश्मन माना। निःसंदेह पहली जिम्मेदारी जमीनी स्तर के प्रशासनिक अमले की बनती है लेकिन संभल के पीड़ितों के खून ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की विरासत को भी दागदार कर दिया है। उनके कार्यों ने ऐसा कानूनी माहौल बनाया जिसने संभल को संभव बनाया यह चंद्रचूड़ ही थे जिन्होंने तथाकथित 'उत्सुकता के न्यायशास्त्र' को वैध बनाया जिससे देश भर में मस्जिदों के सर्वेक्षणों का रास्ता खुल गया। वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद का मामला इसका एक प्रमुख उदाहरण है। हिन्दुओं ने दावा किया था कि उन्हें यह साबित करने के लिए कि वह एक मंदिर था, 'मस्जिद की शैली की जांच' करने की जरूरत है। बावजूद इसके कि पूजा स्थल अधिनियम 1991 जो स्पष्ट रूप से धार्मिक स्थलों के 15 अगस्त 1947 की स्थिति को बदलने पर रोक लगाता है, चंद्रचूड़ ने ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण की इजाजत दे दी। पूजा स्थल अधिनियम खास तौर पर ऐसे ही सांप्रदायिक संघर्ष को रोकने के लिए बनाया गया था। बीजेपी के राम जन्मभूमि अभियान से अवगत कानून निर्माता यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि किसी भी धार्मिक स्थल को विवाद का विषय न बनाया जाए।

36 साल के शाह सबसे युवा चीफ, बोले- महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे

जय शाह ICC के 16वें चेयरमैन हैं। उन्हें 27 अगस्त को चुना गया था। उनका कार्यकाल 1 दिसंबर से शुरू हुआ है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी ICC का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह ICC के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं।

ICC ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- ICC चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है। पद संभालने के बाद शाह ने अपने पहले बयान में कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट्स को बढ़ावा मिले और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना हमारी प्राथमिकता है।

शाह बोले- क्रिकेट को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए काम करेंगे

शाह ने कहा, "ICC अध्यक्ष की भूमिका के लिए चुने जाने पर डायरेक्टर्स और मेंबर बोर्ड्स के समर्थन और भरोसे के लिए आभारी हूं। ग्लोबल क्रिकेट में अपार संभावनाएं हैं और मैं हर मौके पर खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ICC टीम और सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

जय शाह निर्विरोध ICC चेयरमैन चुने गए थे

ICC के चेयरमैन ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हुआ था। वे 2020 से इस पद पर थे। ICC ने 20 अगस्त को बताया था कि बार्कले तीसरा कार्यकाल नहीं लेंगे। इसके बाद नए चेयरमैन के लिए आवेदन मांगे गए। नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख मंगलवार, 27 अगस्त तक जय के अलावा पद के लिए किसी और ने नॉमिनेशन नहीं भरा था। ऐसे में चुनाव नहीं हुआ और वे निर्विरोध चुन लिए गए।

ICC के 16 चेयरमैन में जय शाह सबसे युवा

जय शाह इसी साल 22 सितंबर को 36 साल के हुए हैं। वे ICC के सबसे युवा चेयरमैन हैं। उनसे पहले बने सभी 15 चेयरमैन की उम्र 55 साल से ज्यादा रही है। 2006 में साउथ अफ्रीका के पर्सी सोन 56 साल की उम्र में सबसे युवा प्रेसिडेंट बने थे। जय शाह उनसे भी 20 साल छोटे हैं।

अहमदाबाद क्रिकेट बोर्ड से शुरुआत, 15 साल से सक्रिय

जय शाह ने 2009 में अहमदाबाद के केंद्रीय क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य बने थे। सितंबर 2013 में वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (GCA) के संयुक्त सचिव बने। 2015 में BCCI की वित्त समिति के सदस्य बने। 2019 में पहली बार BCCI के सेक्रेटरी बने। उसके बाद 2022 में दोबारा ICC के सेक्रेटरी चुने गए।

शाह 2021 में एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) के प्रेसिडेंट बने। जनवरी 2024 में उन्हें दोबारा ACC प्रेसिडेंट चुना गया। 2022 में वह इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के फाइनेंस एंड कॉमर्शियल अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन नियुक्त किए गए। उन्हें ओलिंपिक गेम्स के लिए ICC ओलिंपिक वर्किंग ग्रुप का मेंबर भी बनाया गया।

चेयरमैन चुने जाने पर कहा था- क्रिकेट को ग्लोबल पहचान दिलाएंगे

जय शाह को 27 अगस्त को ICC चीफ चुना गया था। तब उन्होंने कहा था, ÷मुझे ICC का चेयरमैन चुनने के लिए सभी का धन्यवाद। मैं क्रिकेट को ग्लोबली बढ़ाने के लिए काम करता रहूंगा। फिलहाल क्रिकेट के मल्टिपल फॉर्मेट को बढ़ावा देना जरूरी है। मैं खेल में नई टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश करूंगा, साथ ही वर्ल्ड कप जैसे इवेंट्स को ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंचाऊंगा।÷

शाह ने कहा था, ÷क्रिकेट का ओलिंपिक 2028 में शामिल होना बड़ी उपलब्धि है। इसे हम ओलिंपिक के जरिए ग्लोबल पहचान दिलाएंगे और ज्यादा देशों तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे।÷

शरद पवार समेत 4 भारतीय ICC के चेयरमैन रह चुके

जय शाह ICC चीफ का पद संभालने वाले 5वें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर ICC प्रमुख रह चुके हैं। ICC चीफ को 2015 से पहले तक प्रेसिडेंट कहा जाता था। इसके बाद से इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।

पिछले चेयरमैन ग्रेग बार्कले न्यूजीलैंड के क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेटर थे

ICC के 15वें अध्यक्ष का कार्यकाल 30 नवंबर 2024 को खत्म हुआ है। वे 2016 से 2020 तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रहे थे। उस दौरान कीवी टीम वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची थी। हालांकि फाइनल में इंग्लैंड ने सुपर ओवर में उसे हराया था।

पीवी सिंधु के अर्जुन अवॉर्डी पिता का इंटरव्यू

पीवी सिंधु ने विश्व स्तर पर कई मेडल जीते। उतना अभी तक किसी खिलाड़ी ने नहीं जीता। इतना खेलने के बाद भी बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) सिंधु को किसी सुझाव के लिए नहीं पूछती है। वह मेरी बेटी है, इसलिए नहीं कह रहा। वह बड़ी खिलाड़ी है।उसे खेल और खिलाड़ियों की समस्याओं के बारे में पता है। ऐसे में पीवी सिंधु सहित बड़े खिलाड़ियों से सलाह लेकर खेल को आगे बढ़ाना होगा। खिलाड़ियों को तराशकर सिंधु, लक्ष्य सेन और साइना नेहवाल जैसा बनाने के लिए पूरे सिस्टम में सुधार की जरूरत है।ये कहना है पीवी सिंधु के पिता पीवी रमन्ना का। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता और वर्ल्ड चैम्पियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट सिंधु लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल चैंपियनशिप खेल रही हैं। उनके साथ पिता पीवी रमन्ना भी लखनऊ में हैं।

पीवी रमन्ना से खास बातचीत की। पीवी रमन्ना ने भारत में बैडमिंटन की वर्तमान स्थिति, खिलाड़ियों के संघर्ष, खेल पर हावी प्राइवेट एकेडमी और खिलाड़ी तैयार करने के बजाए पैसा बनाने और सेल्फिश नेचर अपना चुके कोचों पर खुलकर बात की।

रोहित शर्मा ने बेटे का नाम अहान रखा, पत्नी रितीका ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की

रोहित शर्मा ने अपने बेटे का नाम अहान रखा है। रविवार को उनकी पत्नी रितीका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर करते हुए बेटे का नाम अहान शर्मा रखने की जानकारी दी।

रितीका ने क्रिसमस की थीम को लेकर अपनी एक फैमिली तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में रोहित शर्मा को रो, रितीका को रित्स, बेटी का नाम सैमी और बेटे का नाम अहान दिखाया गया। इसी के साथ ही रितिका ने क्रिसमस का हैशटैग भी लगाया है।

रोहित की पत्नी ने 15 नवंबर को बेटे को जन्म दिया

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित की वाइफ रितीका ने बेटे को 15 नवंबर को जन्म दिया था। रोहित और रितिका की एक बेटी भी है, जिसका नाम समायरा है। समायरा का जन्म 30 दिसंबर, 2018 में हुआ था। वहीं 2015 में रोहित और रितिका की शादी हुई थी।

अहान संस्कृत से लिया गया है

अहान नाम संस्कृत के एक शब्द %अहा% से लिया गया है। इसका मतलब होता है, %जागृत करना%। अहान नाम का अर्थ- भोर, सूर्योदय, प्रकाश की पहली किरण, सुबह की महिमा आदि है।

प्रैक्टिस मैच में ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ खेल रहे हैं रोहित

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में रोहित शर्मा एक बार फिर टीम में वापसी करेंगे। रोहित पर्थ टेस्ट मैच नहीं खेले थे। रोहित रविवार को ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ 46-46 ओवर के खेले जा रहे प्रैक्टिस मैच में कप्तानी कर रहे हैं।

रोहित शर्मा नहीं खेल पाए थे पर्थ टेस्ट

रोहित शर्मा अहान के जन्म की वजह से ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। टीम इंडिया ने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था। यह भारत की ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में सबसे बड़ी जीत थी। भारत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

नगिल ने फिफ्टी लगाई, हर्षित को 4 विकेट; सैम कोंसटास ने 107 रन बनाए

प्रैक्टिस मैच-भारत ने ऑस्ट्रेलिया PM-11 को 6 विकेट से हराया

प्रैक्टिस मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया क्क्रू11 को 6 विकेट से हरा दिया। हालांकि मैच खत्म होने के बाद भी भारतीय टीम ने अपने पूरे (46) ओवर खेले। दो दिन तक चलने वाला यह पिंक बॉल मैच पहले दिन शनिवार को बारिश की वजह से शुरू नहीं हो सका था। जिसके बाद रविवार को दोनों टीमों ने 46-46 ओवर का मुकाबला खेला।

कैनबरा में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री इलेवन 43.2 ओवर में 240 रन पर ऑलआउट हो गई। सैम कोंसटास ने 107 रन की पारी खेली। भारत के लिए हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए।

जवाब में भारतीय टीम ने 42.5 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अंगूठे की चोट से वापसी कर रहे शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। क्क्रू11 की तरफ से चार्ली एंडरसन ने 2 विकेट लिए।

सैम कोंसटास ने शतक लगाया

ओपनर सैम कोंसटास ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 107 रन बनाए। क्क्रू11 ने एक समय 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद जैक क्लेटन और कोंसटास ने तीसरे विकेट के लिए 109 रन जोड़े। क्लेटन ने 52 बॉल पर 40 रन की पारी खेली।सैम कोंसटास ने 90 गेंदों पर सेंचुरी लगाई। उन्होंने 35वें ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। पारी में उन्होंने 14 चौके और 1 सिक्स लगाया। आकाश दीप ने 38वें ओवर की आखिरी गेंद पर सैनी के हाथों कैच आउट करा कर कोंसटास को पवेलियन भेजा।

हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए

हर्षित राणा ने इस मुकाबले में चार विकेट लिए। उन्होंने 6 ओवर की गेंदबाजी में 44 रन दिए। 23वें ओवर में उन्होंने 2 विकेट लिए। हर्षित ने चौथी गेंद पर सेट बल्लेबाज जैक क्लेटन को बोल्ड किया। इसके बाद इसी ओवर की आखिरी गेंद पर ओलिवर डेविस को शून्य के स्कोर पर हर्षित ने आउट किया।हर्षित ने 25वें ओवर की पहली गेंद पर कप्तान जैक एडवर्ड्स को प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच कराया। एडवर्ड्स ने 6 गेंदों का सामना करके 1 रन बनाए। इसके बाद सैम हार्पर को शून्य के स्कोर पर आउट किया।

व्यापार

गौतम अडाणी बोले-साहसिक सपने देखने पर दुनिया परीक्षा लेती है

चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाईं, बल्कि उन्होंने और मजबूत बनाया

गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (IGJ) समारोह में बोल रहे थे।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग विवाद और अमेरिका में लगे रिश्वत देने के आरोपों पर पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने कहा, %अडाणी ग्रुप के रास्ते में आई हर बाधा उसकी सफलता की सीढ़ी बनी है। आपके सपने जितने बड़े होंगे, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती है।उन्होंने कहा कि चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाई, बल्कि उन्होंने हमें और मजबूत बनाया। हमारे अंदर ये भरोसा बढ़ाया कि हर गिरावट के बाद हम और मजबूत तरीके से ऊपर उठेंगे। गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में 51वें इंडिया जेम्स

एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (IGJ) समारोह में बोल रहे थे।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा- विपरीत हालातों में भी हमने हमारे सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई।

3 उदाहरण देकर अडाणी ने कहा- हमें राजनीतिक विवाद में फंसाया

1. भारी विरोध के बावजूद ऑस्ट्रेलिया में हमारे पास वर्ल्ड क्लास माइन

साल 2010 में जब हमने ऑस्ट्रेलिया में कोल माइनिंग शुरू की थी, तो हमारा उद्देश्य था कि हमें भारत को एनर्जी सेक्टर में और मजबूत करना है। हमारा उद्देश्य था कि भारत में होने वाले 2 टन खराब कोयले को ऑस्ट्रेलिया से 1 टन अच्छी क्वालिटी के कोयले से रिप्लेस करेंगे। हालांकि गैर सरकारी संगठनों ने इसका बहुत ज्यादा विरोध किया और ये 10 साल तक चला। ये विरोध इतना ज्यादा था कि 10 बिलियन डॉलर के पूरे प्रोजेक्ट की फंडिंग हमने अपने इक्विटी शेयर से की। आज हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड क्लास कोल माइन है। यह हमारे लचीलेपन को दिखाता है।

2. हमारी आर्थिक स्थिरता को टारगेट कर राजनीतिक विवाद में फंसाया

जनवरी 2023 में जब हम फॉलोऑन पब्लिक ऑफर(FPO) लॉन्च करने जा रहे थे, तो हमने विदेश से कंपनी के खिलाफ शॉर्ट सेलिंग(शेयर बाजार में कंपनी के शेयर की बिकवाली) अटैक का सामना किया। ये सिर्फ आर्थिक हमला नहीं था, ये डबल अटैक था। हमारी आर्थिक स्थिरता को तो टारगेट किया ही, हमें राजनीतिक विवाद में भी फंसाया गया। कई मीडिया संस्थानों ने इसे अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए और बढ़ाया।

पुराने कार इंश्योरेंस का नो-क्लेम-बोनस नई कार में ट्रांसफर करें

नई कार के बीमा में 50त्न तक कर सकते हैं बचत, यहां समझें पूरा गणित

अपनी पुरानी गाड़ी के नो क्लेम बोनस (एनसीबी) को ट्रांसफर करके नई गाड़ी के इंश्योरेंस पर काफी पैसे बचाए जा सकते हैं। पॉलिसीधारक को नो क्लेम बोनस तब मिलता है, जब उसने पिछले साल किसी भी प्रकार का क्लेम नहीं लिया हो। यह डिस्काउंट ओन डैमेज (ओडी) प्रीमियम पर दिया जाता है।

ग्राहक अधिकतम कितना एनसीबी प्राप्त कर सकते हैं?

शुरुआत में आपके ओन डैमेज इंश्योरेंस पर एनसीबी 0त्न होता है। अगर आप कोई क्लेम फाइल नहीं करते हैं तो एनसीबी हर साल बढ़ता जाता है। यह 20-50 फीसदी के बीच तक हो सकता है। पहले साल क्लेम फाइल न करने पर 20 फीसदी एनसीबी प्राप्त होता है। दूसरे साल यह बढ़कर 25 फीसदी, तीसरे साल 35 फीसदी, चौथे साल 45 फीसदी और पांचवें साल 50 फीसदी तक हो जाता है।

एनसीबी को नई इंश्योरेंस पॉलिसी में ट्रांसफर करें

नो क्लेम बोनस केवल वाहन से जुड़े नहीं होते, बल्कि ये पॉलिसीधारक के साथ जुड़े होते हैं। इसका मतलब ये है कि आप अपने पुराने वाहन के एनसीबी को किसी भी नए वाहन पर ट्रांसफर कर सकते हैं, चाहे वह किसी भी ब्रांड का हो। हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि एनसीबी केवल समान प्रकार के वाहनों में यानी कार से कार और बाइक से बाइक में ही ट्रांसफर हो सकते हैं। गाड़ी का ओनर भी नहीं बदलना चाहिए।

एक हफ्ते में LIC का मार्केट कैप ?60,656 करोड़ बढ़ा

इंफोसिस की वैल्यू 18,477 करोड़ रुपए घटी; पिछले हफ्ते 685 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई ● एजेंसी

पिछले हफ्ते टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से नौ का कम्बाइंड मार्केट वैल्यूएशन 2,29,589.86 करोड़ रुपए बढ़ गया। इस दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) टॉप गेनर रही।

LIC का वैल्यूएशन 60,656.72 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपए हो गया। वहीं HDFC बैंक का वैल्यूएशन 39,513.97 करोड़ रुपए बड़ा, जिससे उसका मार्केट कैप 13,73,932.11 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, इंफोसिस का एमकैप 18,477.5 करोड़ रुपए घट गया।

पिछले हफ्ते 685 अंक चढ़ा सेंसेक्स

बीते कारोबारी हफ्ते (25 से 29 नवंबर) के बीच सेंसेक्स 685 अंक चढ़ा। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन 29 नवंबर को सेंसेक्स 759 अंक (0.96%) की तेजी के साथ 79,802 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 216 अंक (0.91%) की तेजी रही, ये 24,131 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी और 4 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में तेजी और 7 में गिरावट रही। NSE रियल्टी और PSU को छोड़कर सभी तेजी के साथ बंद हुए।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप = (आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या) × (शेयरों की कीमत)

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है, उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है?

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए तक महंगा

1 दिसंबर 2024 से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में अब ये 1818.50 रुपए का मिलेगा। एक महीने पहले भी इसके दाम 62 रुपए बढ़ाकर 1802 रुपए कर दिए गए थे। वहीं फ्री आधार अपडेट की डेडलाइन इस महीने खत्म हो रही है। इसके अलावा मैसेज ट्रेसेबिलिटी नियम लागू किए जा रहे हैं। इसके तहत टेलीकॉम कंपनियां संदिग्ध नंबरों की पहचान करके उन्हें तुरंत ब्लॉक करेंगी, जिससे इन नंबरों से यूजर्स तक मैसेज नहीं पहुंच सकेगा। जेट फ्यूल 1,274 रुपए तक महंगा होने से हवाई सफर महंगा हो सकता है।

दिसंबर महीने में होने वाले 6 बदलाव...

1. कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा ; ?16.50 रुपए दाम बढ़े, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहींआज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर ?16.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 16.50 रुपए बढ़कर ?1818.50 हो गई। पहले ये ?1802 में मिल रहा था। कोलकाता में यह 15.5 रुपए बढ़कर ?1927 में मिल रहा है, पहले इसके दाम ?1911.50 थे।मुंबई में सिलेंडर 1754.50 रुपए से 16.50 रुपए बढ़कर 1771 रुपए का हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1980.50 रुपए का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 चत्न वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह ?803 और मुंबई में ?802.50 का मिल रहा है।

एड्स पीड़ित के प्रति बदले समाज की सोच के सप्ताह का शुभारंभ

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

ग्वालियर। भारत ही नही बल्कि संपूर्ण विश्व के लोगों के लिए एड्स एक भयावक शब्द है। एड्स से पीड़ित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारी का इलाज दूभर हो जाता है और हमारा समाज ऐसे व्यक्तियों को बहिष्कृत करता है जिससे वह व्यक्ति समाज से अलग होकर मृत्यु की ओर खिचा चला जाता है, परंतु ऐसे व्यक्तियों को समाज में लाने व दूरी मिटाने के लिए हम सब को एक होना होगा। यह बात ऐड्स दिवस पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय पाण्डेय ने कही। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एच.आई.वी. संबंधित संपूर्ण जानकारी देकर जागरूकता का

कार्य किया जाता है। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 01 दिसंबर एड्स दिवस पर शपथ लेकर सप्ताह भर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने का संकल्प लिया। इस सप्ताह के शुभारंभ में शपथ ली कि संक्रमित व्यक्ति से दुर्व्यवहार न करते हुए समाज में उचित स्थान दिलाएंगे एच.आई.वी. के विरुद्ध जन-जागरण शपथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास शुक्ला ने दिलाई।

सप्ताह के अंतर्गत चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, नुक्कड़ नाटक, रैली, व्याख्यान आदि विभिन्न कार्यक्रमों को किया जाएगा। कार्यक्रम में आशुतोष पालीवाल, नकुल शर्मा, नीरज कुशवाह, करण तोमर, प्रशांत माहौर, रोहन अरोरा आदि मौजूद रहे।

घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम पर संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2024 तक ''हम होंगे कामयाब'' पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े के तहत कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में शुक्रवार को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते, महिला एवं बाल विकास विभाग के विधि सह परिवीक्षा

अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वालेंटियर, महिला थाना प्रभारी अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर, एनजीओ उपस्थित थे।

कार्यक्रम में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध के बारे में जानकारी साझा की गई और महिला कानूनों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि यदि महिला किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित है, तो उसके लिये महिला थाना, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्प लाईन 181 में शिकायत दर्ज करा सकती है। इस दौरान लघु फिल्म के माध्यम से समाज में महिलाओं के साथ हो रहे अपराध के बारे में जानकारी दी गई।

बच्चों ने घूमे ककनमठ एवं बटेश्वर के ऐतिहासिक स्थल

ग्वालियर। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश अनुसार दिसंबर माह में एक्स्पोजर विजिट शैक्षिक भ्रमण करने के निर्देशन पर शासकीय विद्यालय के बच्चों को ऐतिहासिक स्थल घूमाने के लिए भ्रमण कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। इसी क्रम में रविवार को पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीआरपी लाइन ग्वालियर के लगभग 170 छात्र छात्राओं एवं 20 टीचरों के साथ तीन बसों के माध्यम से शैक्षिक भ्रमण हेतु छात्राओं को बटेश्वर एवं ककनमठ ऐतिहासिक स्थल दिखाने ले जाया गया। छात्रों ने भरपूर रूप से एंजॉय किया तथा ऐतिहासिक इमारत का इतिहास अपनी डायरी में नोट करके रखा गया। छात्राओं को फीडबैक फॉर्म भरने को दिया गया ताकि छात्र ऐतिहासिक महत्व के बारे में जान सकें प्राचार्य श्री अशोक कुमार दीक्षित द्वारा सभी छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर भ्रमण हेतु रवाना किया गया। ककनमठ एवं बटेश्वर के प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थलों को देखकर छात्र-छात्राएं मंत्र मुग्ध हो गए।

मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच नगर निगम ने दो विकेट से जीता

ग्वालियर। स्वच्छता को बढ़ावा देने और स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को उजागर करने के लिए आदित्य स्कूल के ग्राउंड पर जिला प्रशासन और नगर निगम के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह आयोजन जीरो वेस्ट इवेंट और स्वच्छता संवाद का हिस्सा था, जिसमें सफाई, कचरा प्रबंधन और सामुदायिक जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया।

15 ओवर के इस रोमांचक मुकाबले में जिला प्रशासन की कप्तानी करते हुए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और उनकी टीम ने नगर निगम को 109 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए नगर निगम की टीम ने भी शानदार खेल दिखाया। अंतिम ओवर में जबरदस्त संघर्ष के बाद निगम की टीम ने यह लक्ष्य हासिल किया और जीत दर्ज की। इस आयोजन में उपस्थित लोगों ने न

केवल खेल का आनंद लिया, बल्कि स्वच्छता और जीरो वेस्ट के महत्व को भी समझा। मैच के दौरान स्वच्छता संवाद आयोजित किया गया, जिसमें कचरे को सही तरीके से अलग करने और पुनः उपयोग के तरीकों पर चर्चा हुई। यह आयोजन स्वच्छता के प्रति एक नई ऊर्जा और सामुदायिक भागीदारी का प्रेरणादायक उदाहरण साबित हुआ। आदित्य वर्ल्ड स्कूल में क्रिकेट मैच में जिला प्रशासन की टीम से कप्तान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के नेतृत्व में टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 108 रन बनाए और नगर निगम की टीम के कप्तान अपर आयुक्त मुनीश सिकरवार की टीम को 109 रन का लक्ष्य दिया । बहुत ही कांटे का मैच हुआ जिसमें नगर निगम की टीम ने अंतिम ओवर में 8 विकेट खोकर जीत हासिल की। जिला प्रशासन की टीम से जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार ने शानदार कीपिंग का प्रदर्शन किया और कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने शानदार फील्डिंग का प्रदर्शन किया। अपर आयुक्त मुनिश सिकरवार ने बेहतरीन कप्तानी कर टीम को जीत दिलाने में महती भूमिका निभाई। जिसमें नगर निगम की टीम से रहे मैन ऑफद मैच नमन कौरव सहायक खेल अधिकारी ने सर्वाधिक रन 30 बोलो में नाबाद 70 रन की तूफानी बैटिंग ओर बोलिंग में 2 ओवर में 3 विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई।इस अवसर पर अपर आयुक्त विजय राज सहित जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। संचालन सुश्री विजेता चौहान तथा सहायक खेल अधिकारी अयोध्या शरण शर्मा ने किया।

न्यायाधीशों ने नवीन जिला न्यायालय परिसर में किया पौधारोपण

ग्वालियर। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा रविवार को नवीन जिला न्यायालय भवन का निरीक्षण कर परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैथ न्यायधीश मध्यप्रदेश उच्चन्यायालय जबलबुर, न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविन्द धर्माधिकारी न्यायधीश मध्य उच्चन्यायालय जबलपुर, न्यायमूर्ति आनंद पाठक न्यायधीश उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर, रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह सहित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीसी गुप्ता, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज प्रमोद कुमार, आशीष दवंडे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित थे।

यात्रियों को स्वच्छ एवं उच्च गुणवत्ता वाला बेडरोल प्रदान करने को प्रतिबद्ध है झाँसी मंडल

ग्वालियर। उत्तर मध्य रेलवे का झांसी मंडल द्वारा ग्वालियर के रेलवे प्लेटफार्म के पास बनी आधुनिक मैकेनाइज्ड लाउंड्री के बाद अब सभी रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं उच्च गुणवत्ता वाला लिनन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे का लिनन मैनेजमेंट एसी क्लास के यात्रियों की सुविधा और स्वच्छता को प्राथमिकता देता है।

उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह एवं प्रदीप सुडेले ने रविवार को पत्रकारों को मैकेनाइज्ड लाउड्री का अवलोकन कराने के बाद बताया कि हर यात्री को गाइडलाइन्स के अनुसार 2 बेडशीट, 1 पिलो कवर, 1 ब्लैंकेट तथा एक हैण्ड टॉवल प्रदान किया जाता है। वहीं प्रथम श्रेणी वातानुकूलित कोचों में उपरोक्त बेडरोल के अतिरिक्त कम्बल कवर के साथ तथा बाथ टॉवल का भी प्रावधान है। इनका वाशिंग कार्य यात्रियों के अनुभव को सर्वोत्तम बनाने के लिए विशेष रूप से सावधानीपूर्वक किया जाता है। लिनन, पिलो कवर, हैण्ड टॉवल और तौलिए की वाशिंग प्रक्रिया इस प्रकार से संचालित की जाती है कि इन्हें हर उपयोग के बाद धोया जाता है, चाहे वह यात्रा के विभिन्न चरणों में ही क्यों न हो।

उदाहरण के लिए, अगर कोई ट्रेन प्रयागराज से मुंबई जा रही है और पहले यात्री ने प्रयागराज से भोपाल तक यात्रा की, फिर दूसरा यात्री भोपाल से इटारसी और तीसरा इटारसी से मुंबई तक, तो तीन सेट लिनन का उपयोग होगा, और हर सेट को उपयोग के बाद वाश किया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत यदि एक ट्रेन के यात्रा मार्ग में कई यात्री होते हैं, तो प्रत्येक यात्री को नया लिनन प्रदान किया जाता है और लिनन का उपयोग समाप्त होने के बाद हर सेट को धोकर फिर से इस्तेमाल किया जाता है।

मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वहीं रेलवे द्वारा दिये जाने वाले ब्लैंकेट प्रत्येक महीने धोए जाते हैं ताकि उनकी गुणवत्ता बनी रहे। पहले, 2010 से पहले ब्लैंकेट को हर तीन महीने में धोने का नियम था, लेकिन 2016 के बाद इसे हर महीने धोने का निर्णय लिया गया है। झाँसी मंडल के ग्वालियर स्टेशन स्थित लॉन्ड्री में उत्तर मध्य रेलवे के लिए वाशिंग कार्य आउटसोर्स किया जाता है। इस लॉन्ड्री में एक सीनियर सेक्शन इंजिनीयर एसएसई नियुक्त है, जो यह सुनिश्चित करता है कि धोया गया लिनन, गन्दा और फटा हुआ न हो। इसके अलावा, लिनन की सफेदी की जांच वाइटोमीटर से की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह सफेदी मानकों के अनुरूप है। ग्वालियर मशीनीकृत लौन्दरी में प्रतिदिन लगभग 6000 बेडशीट तथा 3000 पिलो कवर तथा हैण्ड टॉवल क्लीन किये जाते हैं। लिनन की कोडल लाइफ यानी उसकी उपयोगी अवधि को ट्रैक करने के लिए हर लिनन पर डेट स्टैम्पिंग की जाती है। लिनन की उपयोगी अवधि 9 से 12 महीने होती है, जो उसकी गुणवत्ता पर निर्भर करती है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि यात्रियों को उच्च गुणवत्ता का लिनन ही मिले।

विजयपुर की तरह वार्ड 39 में भी कांग्रेस को विजय दिलाना हैः सतीश सिकरवार

ग्वालियर। विजयपुर उपचुनाव में कांग्रेस की जीत की तरह कांग्रेस कार्यकर्ता जुट जाएं और वार्ड 39 में कांग्रेस को विजयी बनाएं। यह बात कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. देवेन्द्र शर्मा और विधायक डा. सतीश सिकरवार ने रविवार को साधारण सभा की बैठक में कहीं।

बैठक को संबोधित करते हुये विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि हम सभी को एकजुट होकर वार्ड 39 के नगर निगम पार्षद उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के लिए जुट जाना है और कांग्रेस को जीत दिलाकर ही दम लेना है। जिस प्रकार विजयपुर उपचुनाव में कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता के दृणनिश्चय के चलते भाजपा नहीं जिता पाई थी उसी प्रकार अब वार्ड 39 के उपचुनाव में कांग्रेस को फतह दिलाना होगा। बैठक का संचालन जिला कार्यकारी अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल ने किया। बैठक में सुनील शर्मा, वीर सिंह तोमर, इब्राहिम पठान, चतुर्भुज धनोलिया, प्रदेश सचिव राहुल शर्मा, हरिओम शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता राम पांडे, संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

हेलीपेड कॉलोनी के रहवासियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत स्वच्छता के विभिन्न मापदण्डों को पूर्ण करने के लिए सभी कार्यालयों सहित कॉलोनियों में आमजन से स्वच्छता संवाद कर स्वच्छता की शपथ दिलाई जा रही है। रविवार को वार्ड 58 में हेलीपेड कॉलोनी में रहवासियों संग संवाद किया गया एवं क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई ओर सभी से गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग देने के साथ ही कचरा सिर्फ कचरा वाहन में ही डालने कि समझाएं दी गई एवं स्थानीय निवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

कलेक्टर के निर्देश पर विद्यालयों के समय में परिवर्तन

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के अनुमोदन उपरांत जिला शिक्षा अधिकारी

ने तापमान में कमी एवं शीतलहर को दृष्टिगत रखते हुए छात्र-छात्राओं के हित में जिला अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक/माध्यमिक/सी.बी.एस.ई. विद्यालयों में कक्षा 01 से 08 तक प्रथम पाली में संचालित समस्त विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया है। उक्त विद्यालय 02 दिसम्बर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक प्रातः 9:00 बजे से संचालित होंगे।

कोतवाली पुलिस ने चेक बाउंस मामले में दो वर्षो से फरार वारंटी दबोचा

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में जिले के सभी

थानों को चेक बाउंस के मामलों में फरार वांरटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में कोतवाली थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक सतानंद कोल, आरक्षक पूर्णानन्द मिश्रा एवं गिरीश चौहान की टीम ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए दो वर्षों से फरार गिरफ्तारी वांरटी गणेश उर्फ बबलू राठौर पिता सेमाली राठौर, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम पसला को रविवार सुबह गिरफ्तार किया। गणेश राठौर के खिलाफ न्यायालय पारूल जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अनूपपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 1276/22 के तहत धारा 138, निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (NIA) में गिरफ्तारी वांरट जारी किया गया था।

कटटा लेकर घूम रहा बदमाश पकड़ा

ग्वालियर। वारदात की नीयत से कटटा लेकर घूम रहे बदमाश को पड़ाव थाना पुलिस ने अवैध कट्टा व एक जिंदा राउण्ड के साथ पकड़ा है। पुलिस पकड़े गये बदमाश से पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी पड़ाव संतोष भदौरिया ने बताया कि पुलिस पुलिस रविवार को वाहन की चेकिंग कर रही थी। दौराने चेकिंग चुन्नी के पुरा, स्वर्ण रेखा नाला वाली कच्ची रास्ता के पास एक बुलेट मोटर साइकिल पुलिस को आता हुआ दिखा। जब पुलिस ने बुलेट सवार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसकी कमर में एक 315 बोर का देशी कट्टा व पेंट की जेब में एक 315 बोर का जिंदा राउण्ड मिला। पूछताछ में उसने खुद को सेकरा जांगीर थाना डबरा सिटी का रहने वाला बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आयुष्मान कार्ड बनाने लगाई शहरी क्षेत्र में 63 टीमें, प्रतिदिन 500 कार्ड का लक्ष्य

ग्वालियर । कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के निर्देशन में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में 70 से अधिक उम्र के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके बुजुर्गों के शत प्रतिशत कार्ड बन जायें इस हेतु शहरी क्षेत्र ग्वालियर में 63 टीमें गठित कर विशेष अभियान 2 दिसम्बर से 10 दिन तक चलाया जायेगा। इसमें शहरी क्षेत्र की प्रत्येक टीम को प्रतिदिन 500 आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी मोनीटरिंग के लिए जोनल अधिकारी एवं संस्था प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वहां भी टीमें शिविरों के माध्यम से एवं घर -घर जाकर टीमें आयुष्मान कार्ड बनायेंगी। इसके लिए सीबीएमओ, जनपद सीईओ, नगर पालिका सीएमओ, समस्त स्वास्थ्य संस्था प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है।

वही आईएमए, नर्सिंग होम एसोसिएशन व आयुष्मान योजना में सम्बद्ध अस्पतालों को भी जिम्मेदारी के साथ तथा जेएएच अधीक्षक और सिविल सर्जन को अस्पताल में अलग-अलग काउंटर बना कर आयुष्मान कार्ड बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ने बताया कि जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीयों के साथ स्वास्थ्य संस्था प्रमुख और जोनल अधिकारी प्रतिदिन मोनीटरिंग करेंगे। चेम्बर ऑफ कॉमर्स में 2एवं 3 दिसंबर आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु शिविर रखा गया है। त्र साथ ही आज 2 दिसंबर को बाल भवन सिटी सेंटर में भी आयुष्मान कार्ड बनाने का शिविर रखा गया है जिसमें नगर निगम के समस्त कर्मचारी अपने-अपने घरों में 70 की उम्र पूरी कर चुके बुजुर्गों को लेकर आएंगे और उनके कार्ड बनवाएंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्य में जो लापरवाही करेगा उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

डाकघर अनूपपुर में आधार कार्ड बनाने व सुधार कराने का चलाया जा रहा है अभियान

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर में संचालित डाकघर में आधार कार्ड बनाए जाने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जिले के नागरिकों के आधार कार्ड बनाए जाने के साथ ही विभिन्न प्रकार के सुधार कार्य भी किए जाएंगे। इस संबंध में पोस्ट मास्टर डाकघर अनूपपुर के.के. पटेल ने बताया है कि भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा आम नागरिकों के आधार कार्ड बनाए जाने एवं सुधार किए जाने का अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके तहत जिले के नागरिक कार्यालयीन दिवस एवं समय सुबह 9:30 बजे से शाम 4:00 बजे के मध्य आधार कार्ड बनवाने/सुधार कराने के लिए अपनी शैक्षणिक अंकसूची, मतदाता परिचय पत्र की छायाप्रति के साथ डाकघर अनूपपुर में आ सकते हैं।

प्रदेश में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 4 दिसम्बर को

भोपाल। प्रदेश में 4 दिसम्बर को चयनित सेम्पल शालाओं में कक्षा-3, 6 और 9 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया जायेगा। सर्वेक्षण की रिपोर्ट का केन्द्र सरकार द्वारा नीति निर्धारण में उपयोग किया जायेगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र ने सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता रखे जाने के निर्देश मैदानी अमले को दिये हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण-2024 के संचालन की जिम्मेदारी एनसीईआरटी के पास है, जबकि सीबीएसई को सर्वेक्षण के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गयी है।

प्रदेश में सर्वेक्षण के सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पेशल ऑब्जर्वर नियुक्त किये हैं। यह ऑब्जर्वर जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक से तालमेल रखकर सर्वेक्षण की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। स्पेशल ऑब्जर्वर की जिलेवार नियुक्ति की गयी है। इसके साथ ही जिले में डिस्ट्रिक्ट लेवल को-ऑर्डिनेटर भी बनाये गये हैं। मैदानी अमले को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं कि जिन सेम्पल शालाओं में सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा, उन शालाओं में दर्ज विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत हो। केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश में संचालित डाइट्स का सर्वे किया गया है। सर्वे के बाद इन डाइट्स की अधोसंरचना एवं व्यावसायिक विकास के लिये विस्तृत योजना तैयार की गयी है। इस कार्य-योजना के आधार पर वर्तमान में प्रदेश के संचालित सभी डाइट्स को मॉडल डाइट के रूप में विकसित करने के लिये चयनित किया गया है। वर्ष 2023-24 में भोपाल, सीहोर, मंदसौर, सागर, ग्वालियर, खण्डवा, रीवा और जबलपुर डाइट को मॉडल डाइट के रूप में विकसित करने के लिये विकास योजना तैयार कर ली गयी है।

माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शिवपुरी जिले के माधव नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की तकनीकी समिति ने माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रदेश का आठवाँ टाइगर रिजर्व होगा।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-जीव) एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने प्रस्तावित बाघ अभयारण्य का कोर क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर,

बफर क्षेत्र 1276 वर्ग किलोमीटर और कुल क्षेत्रफल 1751 वर्ग किलोमीटर होगा। समिति ने राष्ट्रीय उद्यान में एक नर और एक मादा बाघ को छोड़ने की भी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित करने के लिये प्रस्ताव भेजा गया था।

श्री कृष्णमूर्ति ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गयी संरक्षण पहल माधव राष्ट्रीय उद्यान और कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीव प्रबंधन को मजबूत करेगी। इससे स्थानीय समुदायों को अपेक्षित ईको-टूरिज्म का लाभ मिलेगा और क्षेत्र का विकास होगा।

ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश एवं हरियाणा की जीत

ग्वालियर। अंतर राज्य पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट के रविवार को दूसरे

दिन एलएनआईपीई क्रिकेट ग्राउंड पर मध्यप्रदेश ने पहला मैच खेला जिसमें मध्य प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर मध्य प्रदेश ने 240 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में छत्तीसगढ़ की टीम 20 ओवर में 146 रन 7 विकेट के नुकसान पर बना सकी। इस तरह मध्यप्रदेश ने यह मुकाबला 94 रनों से जीत लिया। टूर्नामेंट का दूसरा मैच हरियाणा और विदर्भ के बीच खेला गया, जिसमें विदर्भ ने टॉस जीतकर क्षेत्र रक्षण का फैसला किया। निर्धारित 20 ओवर में हरियाणा की टीम ने 285 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में विदर्भ की टीम 20 ओवर में 185 रन ही बना सकी। इस तरह यह मुकाबला हरियाणा ने 100 रनों से जीत लिया।

स्काउट रैली मे गंदी राजनीति और मनमानी से अव्यवस्थायें

तानाशाही के चलते, परिषद की बैठक तक नहीं, अध्यक्ष, उपाध्यक्षों को नहीं दिया आमंत्रण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। चंबल संभागीय स्काउट गाइड की आयोजित (शिविर) संभागीय रेली में सारे नीति नियम व्यवस्था को ताक में रखकर मनमानी जैसा रवैया देखने को मिला, वहीं शिविर के दौरान यहां राजनीति के चलते परिषद के सम्माननीय पदाधिकारी एवं प्रशासन जो पूरी शिद्दत से लगे हुए थे वो भी मनमानी के चलते इस आयोजन की व्यवस्थाओं एवम मनमानी के चलते से दूर होते नजर आये। ये परिदृश्य देख यही कहा जा सकता है कि वरिष्ठजनों का अपमान के कारण व्यवस्थापक और परिषद के पदाधिकारियों के बीच खटास जारी है जिसके चलते परिषद से जुड़े लोगों ने तो दूरियां बना लेना उचित समझा,वहीं कुछ लोग जो दूर से नजर आए वो लोग को कही न कहीं व्यवस्थापकों की मनमानी से खिन्न नजर आए, रही बात शिविर की तो जाहिर है बच्चों को इस परिस्थितिवश शिविर की व्यवस्था उचित नहीं दिखी।

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भारत स्काउट गाइड जो यहां श्योपुर, भिंड एवम मुरैना के बच्चों में अनुशासन एवम क्षमता को बढ़ावा देने के लिए शिविर आयोजित करता है,लेकिन आज वर्तमान में स्काउट की जिला परिषद के काफी सदस्य जो प्रारंभ में आयोजन में सक्रिय रहते थे,

वे शिविर स्थल पर बाद में नजर नहीं आए। क्या मनमाने रवैया के चलते परिषद के अध्यक्ष, उपाप्ध्यक्ष को आमंत्रण तक नही दिया गया इस लिए लोग आयोजन से किनारा कर गए। परिषद के लोगों से अनिमित्ताओ को छुपाने के कारण अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। जिसका सबूत ये रहा है कि नीति गत नियमों के विपरीत आयोजन पूर्व जिले में निर्वाचित पदाधिकारियों की कोई बैठक नहीं बुलाई गई, चर्चा नहीं की गई, कोई भी आयोजन की रूपरेखा परिषद के समक्ष नही तय नहीं की गई। सूत्र बताते हैं कि इस संबंध में मंत्रीगण को गुमराह किया गया। परंतु उन्हें जब इसकी जानकारी मिली तो वे भी नही आए।

शिविर आयोजन को लेकर जनचर्चा है कि शिविर स्थल पर भी अनेकों व्यवस्थापक किसी के दबाव में चलने की आम चर्चा है। शिविर में अव्यवस्थाय व्याप्त है, टॉयलेट गंदगी, सफाई नहीं, यही नहीं खुले में नहाने और सर्द मौसम के चलते बुनियादी जरूरत जो शिविर में बच्चों को मुहैया होनी चाहिए थी, उचित व्यवस्था मुताबिक नहीं रही। कई बच्चों को ज्वर,जुकाम जैसी पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है। वही विभागों के अधिकारी जबरिया बुलाए जा रहे हैं,ये बात एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रशासन ने बहुत सहयोग किया, जिससे ये सब हो सका। बेईमान लोग द्वारा जमा राशि को ठिकाने लगाने के लिए यह सब किया जा रहा जिसकी उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए।

वरिष्ठता बहाली की मांग को लेकर आज दिया जाएगा ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रांतीय शिक्षक संघ जिला मुरैना इकाई द्वारा आज 02 दिसंबर को शाम 4:00 बजे नवीन कलेक्ट भवन पर वरिष्ठता बहाल करने हेतु ज्ञापन कलेक्टर को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम दिया जाएगा। ज्ञापन के लिए अपील की जाती है कि 1998 से लेकर 2014 तक के अध्यापक संवर्ग की वरिष्ठता शून्य कर दी गई है, जिसको बहाल करने के लिए समस्त नवीन शिक्षक संवर्ग के साथियों से अनुरोध है कि ज्ञापन के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में आने का कष्ट करें। उक्त जानकारी मुन्नालाल शर्मा जिला अध्यक्ष प्रांतीय शिक्षक संघ जिला मुरैना ने दी।

पुरानी सब्जी मंडी चौराहे के पास जल भराव से आमजन परेशान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर पालिका की जिम्मेदार कर्ताधर्ता 2 वर्ष में कराए गए विकास कार्यों की उपलब्धियां बता रहे हैं, लेकिन नगर की सबसे महत्वपूर्ण स्थान जिसे हृदय स्थल भी कह सकते हैं वह है पुरानी सब्जी मंडी चौराहा। इसके पास में 2 वर्ष से जल भराव एवं सड़कों पर कीचड़ युक्त पानी से आमजन प्रतिदिन परेशान होते हैं। इस तरफ 2 वर्ष में भी नगर पालिका की जिम्मेदार लोगों द्वारा ध्यान ही नहीं दिया है। सब्जी मंडी चौराहा के पास आनंद गर्ग, चंद्रप्रकाश गर्ग, पवन गर्ग की दुकानों के पास मुख्य सड़क पर प्रतिदिन सुबह के समय जल भराव की स्थिति बनी रहती है। यह स्थिति उस समय और भी खराब हो जाती है जब नालियों की

कीचड़ एवं गंदा पानी भी यहां सड़क पर भर जाता है। जब लोग सुबह सब्जी लेने के लिए सब्जी मंडी आते हैं तब नागरिकों को इस कीचड़ युक्त नाली के गंदे पानी में से निकालना पड़ता है। यह समस्या लगभग 2 साल से बनी हुई है, लेकिन नगर पालिका की जिम्मेदार कर्ताधर्ताओं द्वारा इस समस्या का निराकरण नहीं किया गया है। महत्वपूर्ण बात तो यह भी है कि यहां से दिन में कई बार मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी निकाल कर जाते हैं। रविवार को भी जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र सिंह रावत अपनी स्कूटी से निकलकर जा रहे थे तो जागरूक नागरिक द्वारा इस गंदे कीचड़ युक्त पानी में से निकलते हुए उनका फोटो भी खींचा है।

इनका कहना है:-

प्रकरण में नगर पालिका के इंजीनियर ऋषिकेश शर्मा का कहना है कि उक्त स्थान पर सड़क बनाने की टेंडर प्रक्रिया की जा रही है। लगभग 19 लाख की लागत से यहां कार्य कराया जाना है।

शहर विकास की दिशा में प्रयास नहीं कर रहे जनप्रतिनिधि और अधिकारी: विनीत कंषाना

नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष ने लगाए आरोप

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर विकास की ओर किसी का ध्यान नहीं है। न तो सासंद व विधायक अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस दिशा में कोई कदम उठाया है और न नगर निगम के आला अफसर इस ओर कोई ठोस रणनीति तैयार कर पाए हैं। यह आरोप लगाते हुए नगरनिगम के नेताप्रतिपक्ष विनीत कंषाना ने कहा है कि सारा शहर गन्दगी से अटा पड़ा है। जगह जगह कचरे के ढेर लगे हैं। इस कारण शहरवासियों का जीना मुहाल बना हुआ है। आवारा गौवंश एक बड़ी समस्या बनकर सबके सामने हैं। हालात यह हैं कि शहर का ऐसा कोई भी कोना नहीं हैं जहां आवारा गौवंश नजर न आये। सड़कों पर विचरण करते ये मवेशी हर रोज राहगीरों को घायल करते हैं। नगरनिगम के अधिकारी मवेशियों को गौशाला पहुंचाने का दावा करते हैं, लेकिन धरातल पर कोई प्रयास नजर नहीं आते।

नेता प्रतिपक्ष विनीत कंषाना का कहना है कि अन्य शहरों में अक्सर देखने मे आता है कि सांसद अपना प्रतिनिधि नगरनिगम में नियुक्त करते हैं और शहर विकास के अच्छा खासा बजट भी अपनी निधि से उपलब्ध कराते हैं, लेकिन मुरैना में यह सब देखने को नहीं मिलता। कंषाना ने कहा है कि शहर विकास तो छोड़िए कमीशनखोरी नगरनिगम में इस कदर हावी है कि निर्माण की फाइलें ही निगम की विभिन्न शाखाओं से गायब हैं, लेकिन इस ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है।

भारत रत्न अटल जी की प्रतिमा के अनावरण में देरी से निराशा: नरेश सिंह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की लंबे समय से कपड़े में बंद प्रतिमा का अनावरण एवं अटल स्मारक का लोकार्पण 25 दिसंबर को उनके जन्म जयंती के शताब्दी वर्ष के मौके पर करने की मांग मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने की है। संघ के संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अनुरोध पत्र लिखकर इस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर प्रतिमा के अनावरण को लेकर निर्देश देने की अपील की है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि एमएस रोड़ पर तैयार अटल स्मारक में पूर्व पीएम वाजपेयी की प्रतिमा पिछले एक वर्ष से

कपड़े में ढकी हुई है, अनावरण में अकारण देरी उनके प्रशंसकों को निराश कर रही है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि ग्वालियर चंबल अंचल के गौरव और भारतीय राजनीति के सबसे लोकप्रिय, निर्विवाद नेताओं में से एक वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण न होना उनके प्रशंसकों के लिए असहज करने वाला है। अटल स्मारक के लोकार्पण में हो रही देरी को अवहेलना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे शीघ्र समाप्त किया जाना चाहिए। संघ ने सुझाव दिया है कि अटल जी के 100वें जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के आतिथ्य में प्रतिमा का अनावरण किया जाना चाहिए।

मुरैना में 'हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी' अभियान के तहत कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

मुरैना। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) के तहत 'हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी' अभियान के अंतर्गत रविवार को जय महालक्ष्मी इंडेन द्वारा मुरैना में कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईः-

10 प्रतिभागियों ने कुकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मुरैना में सबसे ज्यादा बेसिक सेफ्टी चेक करने वाले डिलीवरी बंधुओं को अच्छे सुरक्षा जांच के लिए सम्मानित भी किया गया। एलपीजी सुरक्षा, पब्लिक लाइबिलिटी इंश्योरेंस और सुरक्षा नियमों पर जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। 100 पैंपलेट्स एलपीजी सुरक्षा के बारे में वितरित किए गए। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से रसोई और एलपीजी का उपयोग करने के प्रति जागरूक करना था।

जन शिक्षण संस्थान मुरैना ने मनाया विश्व एड्स दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जन शिक्षण संस्थान मुरैना द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर द्वारा लोगों को एड्स जैसी घातक बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस शिविर द्वारा संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी नवलकिशोर ने लोगों को बताया कि एड्स अत्यंत घातक बीमारी है, यह हमारे देश में तेजी से फैल रही है। उन्होंने बीमारी होने के कारणों के बारे में जागरूक करते हुये बताया कि हमें असुरक्षित यौन संबंधों बचना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि यदि किसी व्यक्ति को तीन हफ्ते से ज्यादा बुखार, तीन हफ्ते से ज्यादा दस्त, बजन कम होना, थकान व कमजोरी शरीर पर धारिया होना आदि समस्याऐं होती हैं तो हमें

नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर जांच करानी चाहिए। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी नवलकिशोर, सहा. कार्यक्रम अधिकारी गिर्राज डण्डोतिया, रजत कुशवाह, के साथ साथ अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त होने पर शिक्षक श्रीनिवास त्यागी को दी भावभीनी विदाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। शा.मा.वि.क्र3 जौरा के परिसर में आयोजित सादगी पूर्ण विदाई समारोह कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक श्रीनिवास त्यागी को अधिकारी-कर्मचारियों ने विदाई दी। जिसमें अतिथियों के रुप में जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर सक्सेना, डीपीसी हरीश तिवारी, सीएम राइज प्राचार्य जौरा बी.एन.त्यागी,प्रभारी प्राचार्य संजय शर्मा,बघरोली प्राचार्य बीरबलत्यागी,बघेल प्राचार्य राकेश शर्मा, सेवानिवृत्त व्याख्याता बीरबल त्यागी ने शिरकत की।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई।इसके बाद धीरज बघेल,रामप्रकाश त्यागी,राजेश त्यागी सहित अन्य शिक्षकों द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।इस अवसर पर डीईओ सुधीर सक्सेना ने सेवानिवृत्त हेडमास्टर त्यागी को शुभकामनाऐ दी। समारोह को संबोधित करते हुए डीईओ

सक्सेना ने कहा कि प्रधानाध्यापक त्यागी ने शासकीय सेवा में अपनी लंबी पारी आज पूरी की है और जीवन के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने उत्तर दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया है।त्यागी अपने कार्यो के प्रति सदैव सजग रहे है।अच्छे कार्य करने वाले शिक्षक सदैव याद रखे जाते है।सेवानिवृत्त शिक्षक त्यागी का कार्यकाल बेहतर रहा।उनके कार्य अनुभव का लाभ शिक्षकों को आगे भी मिलता रहेगा।उन्होंने त्यागी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐ देते हुए कहा कि शेष बचे हुए जीवन के अमूल्य क्षण अपने परिवार और समाज की सेवा में दें। बीआरसीसी कार्यालय द्वारा भी सेवानिवृत्त शिक्षक त्यागी का विदाई सम्मान रखा गया, जिससे बीआरसीसी मुन्ना लाल यादव जी की अध्यक्षता में त्यागी को विदाई दी गई। सम्पूर्ण विधालय परिवार की उपस्थिति गरिमामयी रही। इस अवसर पर प्राचार्य बघेल राकेश शर्मा, प्राचार्य बीरबल त्यागी, शिवकुमार शर्मा, राजकिशोर शर्मा, लक्ष्मी नारायण शिवहरे, उमेश शर्मा, राजेश त्यागी, माताप्रसाद त्यागी, चन्द्रेश मिश्रा, राजाराम बाबूजी, देवेन्द्र शुक्ला, अरविंद शर्मा, नरेश शर्मा, अशोक त्यागी, रविंद्र सिकरवार, उत्तम शाक्य, रमन शर्मा, शिवनारायण प्रजापति, योगेश गुप्ता, मंगल सिंह धाकड़, विमल शर्मा, कर्मचारी नेता कौशल शर्मा सहित सैकड़ों कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

परमात्म तत्व को समझे बिना निष्काम सेवा संभव नहीं: विशेश्वर दास

– चित्रकूट एवं मुरैना में आज अमावस्या पर एक साथ भंडारा, – प्रोफेसर रामअवतार शर्मा ने किया कंबल दान, – डॉ. एसके गुप्ता ने की भोग प्रसादी की व्यवस्था

परमार्थ शिविर में 248 मरीज और 26 सेवक हुए उपस्थित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई। इसके साथ ही 248 मरीजों ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया। विषय बार मरीजो की संख्या इस प्रकार रही -दन्त रोग 80 स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 72, नाक, कान, गला 44, सर्जरी 40, अस्थि रोग 42, नैत्र रोग 23, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट 0, ब्लड प्रेसर की जाँच 43, ई.सी.जी 01, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 30, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 18, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 33, एम्स में पंजीयन 0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष में- दांत शल्य क्रिया 53, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायरिया का इलाज 25, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष में प्रारंभ हुई जिसमें आँखों की जाँच 18 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवकों ने सेवा की। डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. बी.एल. राजपूत, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. दीपक बंसल, प्रदीप शर्मा, कस्तूरी, ममता, सलोनी, आस्था, शीतल, गुड्डी, ममता शर्मा, बबीता, मनीराम, हाकिम, रमेश बाउजी, श्याम शर्मा, होतम, सुरेश महेश्वरी, रामचरण, दीपू तोमर, मयूर अग्रवाल, गौरव, पवन, जितेन्द्र, विजय आदि ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं।

प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियों ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया।

आज परमार्थ न्यास में विशेश्वर दास जी महाराज पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नत प्रकार करते हुए कहा कि एक परमात्मतत्त्व ही ऐसा है, जिसको जो चाहे, उसको वह मिल जाय। धन, सम्पत्ति, वैभव, मान, आदर, निरोगिता आदिको जो चाहे, उसको ये मिल जायँ - यह नियम नहीं है। ये धन, सम्पत्ति आदि सबको नहीं मिल सकते, मिलेंगे तो थोड़े-बहुत मिलेंगे, एक समान नहीं मिलेंगे। परन्तु परमात्मतत्त्व सबको मिलेगा, एक समान मिलेगा और जो चाहे, उसको मिलेगा; क्योंकि उसका सबके साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है। जीव परमात्माका साक्षात् अंश है- 'ममैवांशो जीवलोके' इसलिये उसका परमात्मापर पूरा हक लगता है। जैसे, मा पर सब बालकों का हक लगता है, सब बालक अपनी माँ की गोदीमें जा सकते हैं। ऐसे ही परमात्मा सबके माता-पिता हैं- 'त्वमेव माता च पिता त्वमेव ।' वे सदा से ही सबके माता-पिता हैं और सदा ही रहेंगे, इसलिये उनकी प्राप्तिमें कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं है, अनधिकारी नहीं है, निर्बल नहीं है। अतः किसीको भी परमात्मतत्त्वसे हताश होने की किंचिन्मात्र भी गुंजइश नहीं हैं। हमारे भीतर यह बात दृढ़ता से बैठी हुई है कि किसी वस्तु, अवस्था, परिस्थिति, घटना, क्रिया आदि की महिमा नहीं है, प्रत्युत उनके सदुपयोग की महिमा है। हमारी कैसी ही बुद्धि हो, कैसी ही परिस्थिति हो, कैसी ही अवस्था हो, कैसा ही संयोग हो, उसी का ठीक तरह से सदुपयोग किया जाय तो परमात्मतत्त्व की प्राप्ति हो जाय। कारण कि मनुष्यजन्म मिला ही इसके लिये है।

कबहुँक करि करुना नर देही। देत ईस बिनु हेतु सनेही ।। बिना हेतु कृपा करने वाले प्रभु ने कृपा करके मनुष्य-शरीर दिया है; तो क्या भगवान् की कृपा निष्फल होगी ? भगवान् की कृपा कभी निष्फल नहीं होती। हाँ, इतनी बात है कि भगवान् ने स्वतन्त्रता का वह चाहे जो उपयोग कर सकता है, चाहे इसका सदुपयोग करके परमात्मतत्त्व की प्राप्ति कर ले, अपना कल्याण कर ले और चाहे इसका दुरुपयोग करके चौरासी लाख योनियों में अथवा नरकों में चला जाय। वास्तव में यह स्वतन्त्रता भगवान् ने मनुष्य को अपना कल्याण करने के लिये दी है।

आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं हृदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हू एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ ले। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

भाजपा नेता ब्रजराज सिंह तोमर की माँ का निधन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजराज सिंह तोमर पाय का पुरा की माताजी रामश्री देवी का लगभग 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। रामश्री देवी के निधन पर भारतीय जनता पार्टी के अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शोक प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजराज सिंह तोमर की माताजी रामश्री देवी तोमर का देवलोक गमन हो गया। रामश्री देवी ने अपने जीवन में सादगी और सेवा का परिचय दिया। उनके निधन से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है। भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शोक प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उनका अंतिम संस्कार उनके गांव पाय का पुरा में किया गया। शोक संदेश व्यक्त करने वालों में भाजपा के जिला और स्थानीय नेतृत्व के कई प्रमुख नेता शामिल हैं।

संघ के बाल स्वयंसेवकों ने निकला पथ संचलन

मुरैना। बाल स्वयंसेवकों द्वारा पूर्ण गणवेश में कदम ताल करते हुए संचलन निकाला गया। जिसमें जिला प्रचारक रितेश का बौद्धिक हुआ। उन्होंने बताया कि बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बालकों में संस्कार और देश भक्ति के बीज डालता है, जिससे भविष्य में एक अच्छे समाज निर्माण हो।

यह संचलन सरस्वती शिशु मंदिर फाटक बाहर से शुरू होकर पुल तिराहा, सर्वोदय स्कूल से होता हुआ सरस्वती शिशु मंदिर में समापन हुआ। रास्ते पर अनेक स्थानों पर गणमान्य लोगों द्वारा पुष्प वर्षा करके बाल स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया गया।

वरुण बेवरेज को औद्योगिक उन्नति के लिए दी गई प्रोत्साहन राशि

मुरैना/अम्बाह। गोरखपुर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑथोरिटी के 35वें स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने वरुण बेवरेज को उत्तर प्रदेश में स्थापित इकाइयों को औद्योगिक पॉलिसी के तहत इनसेंटिव राशि रुपये 126 करोड़ का चेक वरुण बेवरेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सीए कमलेश जैन को दिया गया। इससे यह स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश सरकार पॉलिसियों पर पूरा अमल करती है ज्ञात रहे की कमलेश जैन सीए वरुण बेवरेज के माध्यम से उत्तर प्रदेश में औद्योगिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

जैन मुनि विनय सागर ने किया मुरैना की तरफ पद विहार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अम्बाह में दो दिन के प्रवास के उपरांत दिगंबर जैन मुनि विनय सागर महाराज का ससंघ मुरैना अल सुबह पद विहार हुआ। वहीं युवाओं ने जैन धर्म की जय कारे के साथ मंगल विहार कराया।इस दौरान विनय सागर महाराज ने कहा कि मनुष्य की प्रवृति और धारणा में परिवर्तन करना बड़ा ही कठिन कार्य है किंतु संतो के सानिध्य व उनकी वाणी के प्रभाव से यह अभाव भी सरलता से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि प्रवृत्ति को बदलना चाहता है तो संतो के साथ समय व्यतीत करना चाहिए जितना अधिक हो सके उतना समय संतो की चर्या व आचरण को देखने व उसी के अनुरूप क्रिया करने में गुजारना चाहिए

ज्ञात रहे कि श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी महाराज संसंघ का मंगल विहार अंबाह से धौलपुर के लिए चल रहा है, वहीं पद विहार करते-करते शनिवार शाम को जैन मुनि ने मुरैना में प्रवेश किया यहां समाज के लोगों ने उनकी अगवानी की।

केंद्रीय मंत्री नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया वैदिक घड़ी का अवलोकन

महादेव मूर्ति शिल्प कार्यशाला का भ्रमण कर शिल्पकारों से की चर्चा

भारतीय कला परम्परा को पुनर्समर्थन देने की जा रही है मूर्ति कार्यशालाओं की स्थापना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने उज्जैन प्रवास के दौरान रविवार शाम को आचार्य वराहमिहिर वेधशाला, जंतर मंतर स्थित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा को बताया कि विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय काल गणना पर आधारित विश्व की पहली वैदिक घड़ी है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा को वैदिक घड़ी की गणना का साहित्य भी भेंट किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा और सांसद श्री शर्मा ने महादेव मूर्ति शिल्प कार्यशाला का भ्रमण भी किया। उन्होंने राजस्थान के बंसी पहाड़ से लाए गए पत्थर से बनी महर्षि जमदग्नि की 12 फीट ऊंची,10 फीट चौड़ी और 4.5 फीट मोटाई की शिल्पियों द्वारा निर्मित की जा रही मूर्ति का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने ओडिशा के शिल्पकार श्री ईश्वरचंद से चर्चा भी की। शिल्पकार ने बताया कि महर्षि जमदग्नि की यह पाषाण प्रतिमा 3-4 महीने में बनकर तैयार हो जाएगी। इस कार्यशाला में उड़ीसा, राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के शिल्पकार कार्य कर रहे है।

उल्लेखनीय है की मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन अनुरूप जिले में मूर्तिशिल्प निर्माण की कार्यशाला सक्रिय हुई है। इससे उज्जैन एवं आस-पास के अंचल में शिल्प निर्माण में रुचि रखने वाली प्रतिभाएँ तैयार हो रही हैं, जिससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर विकसित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन ने निर्णय किया है कि विश्व में मान्य भारतीय कला परम्परा को पुनर्समर्थन देने, पारंपरिक भारतीय प्रतिमा विज्ञान के मानकों को दृष्टिगत रखते हुए दीर्घकालिक मूर्ति कार्यशालाओं की स्थापना की जाए।

तानसेन समारोह से पहले सजेंगी दो बड़ी संगीत सभाएं

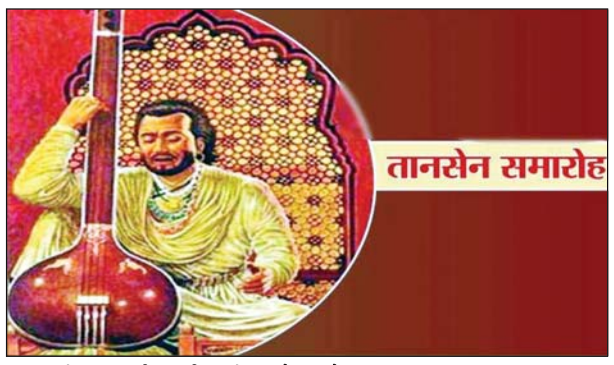

ग्वालियर। संगीतधानी ग्वालियर में 6 और 10 दिसम्बर की सर्द सांझ सुरों का संपर्क पाकर शहर की फिज़ाओं में गर्माहट घोलेंगी। ''तानसेन समारोह'' से पहले इन तिथियों में पूर्वरंग मंगलाचरण स्वरूप ÷तानसेन स्वर स्मृति÷ सुर-संगीत की दो बड़ी महफिलें सजेंगीं। संगीत शिरोमणि तानसेन की याद में आयोजित होने वाले शास्त्रीय संगीत के सालाना महोत्सव ÷तानसेन समारोह÷ का इस साल शताब्दी वर्ष है। इस बात को ध्यान में रखकर ग्वालियर को संगीतमय बनाने के लिए जिला प्रशासन की पहल पर इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार को गूगल मीट के जरिए संबंधित अधिकारियों एवं कला मर्मज्ञों से चर्चा कर इस कार्यक्रम की तैयारियों की एक बार फिर से समीक्षा की ।

''तानसेन स्वर स्मृति'' के तहत 6 दिसम्बर को ÷ग्वालियर का सांगीतिक वैभव÷ एवं 10 दिसम्बर को ÷गालव वाद्यवृंद दृ सुर ताल समागम÷ के नाम से संगीत सभाएं सजेंगी। इन इस सभाओं में स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियाँ होंगीं। दोनों संगीत सभाओं को सुव्यवस्थित एवं गरिमामयी ढंग से आयोजित करने के लिये गूगल मीट में सार्थक निर्णय लिए गए। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश भर में ग्वालियर का नाम रोशन करने वाले शहर के मूर्धन्य कलाकारों का सम्मान भी 'तानसेन स्वर स्मृति'' कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने गूगल मीट में कहा कि 'तानसेन स्वर स्मृति'' के तहत सजने जा रही दोनों संगीत सभाओं में जनप्रतिनिधियों व कलाकारों सहित चिकित्सा, समाजसेवा व शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित करें। साथ ही इस आयोजन में संगीत एवं कला में रूचि रखने वाले महाविद्यालय व विद्यालयों के बच्चों व आचार्यों को भी आमंत्रित करें। संबंधित अधिकारियों से यह भी कहा गया कि संगीत सभाओं के लिए साउंड सिस्टम उच्चकोटि का हो और सभी व्यवस्थाएं गरिमापूर्ण होनी चाहिए।

गूगल मीट में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नीतू माथुर, नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव, भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान के निदेशक श्री आलोक शर्मा, अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह, अन्य संबंधित अधिकारी एवं श्री अशोक आनंद सहित इस आयोजन की व्यवस्थाएं से जुड़े अन्य कला मर्मज्ञ शामिल हुए।

आईआईटीटीएम में सजेगी 'ग्वालियर का सांगीतिक वैभव' सभा

तानसेन समारोह के पूर्व रंग कार्यक्रमों की श्रृंखला में 6 दिसम्बर को सायंकाल 5 बजे भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) के ऑडिटोरियम में ÷ग्वालियर का सांगीतिक वैभव÷ के नाम से संगीत सभा सजेगी। इस कार्यक्रम की संकल्पना राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे की है। यह आयोजन ग्वालियर की समृद्ध संगीत विरासत की उत्पत्ति की सम्पूर्ण यात्रा पर केन्द्रित होगा। जिसमें ध्रुपद व ख्याल गायन के साथ लोक गायन की प्रस्तुति भी होगी। कार्यक्रम में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के आचार्य व विद्यार्थी प्रस्तुतियां देंगे।

महाराज बाड़ा पर होगा 'गालव वाद्यवृंद-सुर ताल समागम'

पूर्व रंग कार्यक्रम की विशिष्ट संगीत सभा 'गालव वाद्यवृंद दृ सुर ताल समागम' 10 दिसम्बर को शहर के हृदय स्थल महाराज बाड़े पर सायंकाल 5.30 बजे सजेगी। इस सभा में ग्वालियर घराने के मूर्धन्य संगीत साधक पं. उमेश कम्पूवाले और सुविख्यात ध्रुपद गुरू श्री अभिजीत सुखदाड़े का ध्रुपद गायन होगा। साथ ही डॉ. पारूल बांदिल द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किए जायेंगे। इस आयोजन में सुविख्यात सितार वादक पं. भरत नायक के निदेशन में पाश्चात्य एवं भारतीय वाद्यों की जुगलबंदी से सुरों का उत्सव साकार होगा। तानसेन समारोह के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब सुरों की नगरी ग्वालियर में समारोह से पहले स्थानीय कलाकारों के सहयोग से संगीत महफिलें सज रही हैं।

मरीजों को निशुल्क परामर्श और रियायती इलाज पुण्य का काम: मंत्री प्रद्युम्न सिंह

- निशुल्क मेगा मल्टीस्पेशलिटी हेल्थ कैंप में हुआ 1000 मरीजों का निशुल्क परीक्षण

ग्वालियर। जन सहयोग जन कल्याण बहुउद्देशीय समिति ग्वालियर एवं सिम्स हॉस्पिटल के सहयोग से रविवार को निशुल्क मेगा सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन इंटक मैदान हजीरा पर किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में लगभग 1000 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित परामर्श दिया गया। साथ ही आने वाले मरीजों की बीपी, शुगर और ईसीजी जांच भी निशुल्क की गई। साथ ही इलाज के लिए जिन मरीजों को चिन्हित किया गया है उनका आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क इलाज किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर भी मौजूद थे। उन्होंने कहा की स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का यह कार्यक्रम जरूरतमंद लोगों के सहयोग की दिशा में सराहनीय प्रयास है ऐसे प्रयासों की निरंतर जरूरत है। मैं आश्वासन दिलाता हूं के संस्था को ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कामों के लिए जो भी मदद की जरूरत होगी, वह शासन प्रशासन के सहयोग से मेरे द्वारा कराई जाएगी। शिविर में सिम्स हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ सोनूसिंग पाटिल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ दुष्यंत देव, मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ गौरव गोयल, न्यूरोसर्जन डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ अनुराग सिंह सिकरवार, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ स्वप्निल जोशी व शल्य क्रिया विशेषज्ञ डॉ शुभम गुप्ता, मेडिकल ऑफिसर डॉ मयंक शर्मा द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर सिम्स हॉस्पिटल के पदाधिकारी विष्णु पाण्डेय, एन.बी. भार्गव, मनीष पाठक, योगेश शर्मा, दीपक कुरसेना,शैलेन्द्र शर्मा स्टॉफ नर्स शालिनी शुक्ला, कुसुम चौरसिया, जामवती, नारायण, अमित भदौरिया, भूपेंद्र भदौरिया, कमल चौहान, गोविन्द राणा, गगन व नवीन सावंत उपस्थित हुए।

कांग्रेस की पार्षद जीतती हैं तो क्षेत्र का विकास तेजी से होगा: विधायक सिकरवार

- कांग्रेस प्रत्याशी शिवानी खटीक के समर्थन में किया जनसंपर्क

ग्वालियर। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने रविवार को वार्ड क्रमांक 39 की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती शिवानी आकाश खटीक के समर्थन में घर-घर जाकर वोट मांगे। उनके साथ पूर्व विधायक प्रवीण पाठक के छोटे भाई प्रशांत पाठक भी शामिल थे। जनसंपर्क के दौरान विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि नगर निगम में कांग्रेस की सरकार है, यदि वार्ड 39 से कांग्रेस की पार्षद जीतती हैं तो क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। उन्होंने वार्ड 39 में जटार गली, ढोली बुआ का पुल, पत्तल वाली गली, बजरिया, शिंदे मंडली, बाई साहब की परेड, लक्ष्मीगंज चौराहा सहित अन्य गली मोहल्लों में भी जनसंपर्क किया। इस अवसर पर भैयालाल भटनागर, विजय शर्मा, जीवाजी राव मांडोले, कार्यकारी चतुर्भुज धनौलिया, सीमा समाधिया, एम.के.कुरेशी, संजय फड़तरे, राजेश बाबू, धर्मेंद्र जैन, शिखा शर्मा, एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष महादेव अपोरिया, अनूप शिवहरे, पार्षद केदार बरहादिया, पार्षद प्रमोद खरे, पार्षद सुरेन्द्र साहू, तरूण यादव, जसवंत शेजवार, रामअवतार जाटव, सुधीर मण्डेलिया, धर्मवीर जाटव, छोटू मण्डेलिया, श्याम सुन्दर निम, अनूप कुमार अरोरा, विजय बहादुर त्यागी, हिमांश कीकन, कपिल पाल, मोनू सोलंकी, पिंटू शाक्यवार, नितिन मिश्रा, देवेंद्र बघेल, अर्जुन कुशवाह, जंगबहादुर चौहान, मुकेश धाकड़, संजीव जयंत, शिवचरण शिमौल, विकास खरे, अनिल गोड़याले, मोनू भटनागर, सब्बर खान, दिलीप मिश्रा, दिलीप सिंह राजपूत, आकाश कुशवाह, विनोद प्रजापति उपस्थित थे। इसी क्रम में आज 2 दिसंबर को कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती शिवानी आकाश खटीक के समर्थन में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार सुबह 8.30 बजे ढोली बुआ का पुल लक्ष्मीगंज से जनसंपर्क शुरू करेंगे।

विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय स्नेह समावेशी भारत क्विज

396 विजेताओं को मिलेंगे 2,43,500 रुपए के पुरस्कार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के बीच दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता और समावेशन बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय स्नेह समावेशी भारत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। लायंस की स्थायी परियोजना संस्था स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि प्रतियोगिता 25 नवंबर से शुरू होकर 2 दिसंबर तक ऑनलाइन चलेगी। मध्यप्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र इसमें निःशुल्क पंजीयन करवा कर शामिल हो सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार संरचना

प्रतियोगिता में संभाग और राज्य स्तर पर विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। संभाग स्तर पर प्रथम पुरस्कार 1,000, द्वितीय पुरस्कार (दो विजेता) 500, तृतीय पुरस्कार (तीन विजेता) 300 रूपये है। राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय पुरस्कार (दो विजेता) 5 हजार और तृतीय पुरस्कार (तीन विजेता) को 3 हजार रूपये है। राज्यभर के कुल 396 विजेताओं को 2 लाख 43 हजार 500 रूपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

प्रतियोगिता के नियम और सुविधाएं

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 300 सेकंड में 15 बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर देना होगा। उन्हें फिफ्टी-फिफ्टी और प्रश्न परिवर्तन जैसी लाइफलाइन भी दी जाएगी। कम समय में उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को बोनस अंक दिए जाएंगे। प्रतिभागी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए http://snehnagda.org/quiz पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

सामाजिक न्याय विभाग का सहयोग

आयुक्त सामाजिक न्याय डॉ. आर.आर. भोंसले ने बताया कि यह पहल दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और छात्रों में समावेशी सोच को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्व दिव्यांग दिवस कल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। संचालनालय सामाजिक न्याय विभाग भोपाल के आदेशानुसार अनुसार प्रति वर्ष के भांति 03 दिसंबर विश्व दिव्यांग दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिला दिव्याग पुनर्वास केंद्र, व्हीआईपी रोड संजय कॉलोनी मुरैना में होगा।

विश्व दिव्यांग के अवसर पर विभिन्न खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम दिव्यागजनों के सामर्थ्य अनुसार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी दिव्यांगजन आमंत्रित हैं।

कृषि मंत्री कंषाना पहुंचे विस्फोट पीड़ितों के मध्य

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। राठौर कॉलोनी में पिछले दिनों देर रात एक मकान में अचानक विस्फोट होने के कारण कुछ मकानों के क्षतिग्रस्त होने और 4 लोगों की असमय मृत्यु एवं अन्य 5 लोगों के घायल होने की घटना के बाद गत दिवस मंत्री ऐदल सिंह कंषाना पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों को सांत्वना प्रदान की तथा राहत कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर श्री कंषाना ने कहा कि मंत्री स्वेच्छानुदान मद से पीड़ित परिवारों को 1 लाख 60 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

चेम्बर भवन में आज व कल लगेगा आयुष्मान कार्ड बनाने का शिविर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। भारत सरकार ने 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी लोगो का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्णय लिया है। एमपीसीसीआई द्वारा दो दिवसीय शिविर एमपीसीसीआई सदस्य और उनके परिवारजन के लिए चेम्बर भवन मे आयोजित किया गया है। यह शिविर आज व कल (02 तथा 03 दिसम्बर) को चेम्बर भवन में आयोजित होगा। शिविर का समय दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक रखा गया है। इस शिविर में वे सभी लोग पात्र होंगे जिनका जन्म वर्ष 1954 या इससे पूर्व हुआ हो। शिविर में आने वाले लोगों को आधार कार्ड के साथ वह मोबाइल लाना होगा जिसका नम्बर आधार से लिंक है ताकि ओटीपी मिलने पर कार्ड आसानी से बनाया जा सके।

जीवाजी विश्व विद्यालय के कुलपति दिखायेंगे हरी झंडी

'अस्मिता रग्वी लीग' का दो दिवसीय आयोजन आज से ग्वालियर में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। रग्वी फुटबॉल एसोसिएशन ग्वालियर एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के संयोजकत्व में सोमवार 02 दिसंबर से दो दिवसीय विश्व विद्यालय परिसर में 'अस्मिता रगवी लीग' का आयोजन होने जा रहा है। तीन विजेता टीमों को पुरस्कार 50 हजार, 30 हजार एवं 20 हजार रुपये प्रदान किए जायेंगे, साथ ही इस अवसर पर रगवी इंडिया द्वारा वोलेंटियर को किट का वितरण भी किया गया।

मध्य प्रदेश रगवी फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव अबरार अहमद शेख ने बताया कि 'सांई स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' द्वारा संचालित भारत में 10 जगह इस लीग का आयोजन करवाया जा रहा है जिसमें से एक लीग ग्वालियर में भी करवाया जा रहा है। श्री शेख ने बताया कि लीग में कुल तीन श्रेणी (सीनियर, जूनियर और सब जूनियर) में सीनियर की 12 टीमें, जूनियर की 12 टीमें एवं सब जूनियर की 21 टीमें भाग ले रहीं हैं। सांई द्वारा तीन राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ग्वालियर आ गए हैं, जबकि रगवी की ओर से दो पर्यवेक्षक मुंबई व उड़ीसा से भेजे गए हैं। जिन्होंने रगवी एसोसिएशन ग्वालियर के अध्यक्ष डॉ. केशव पाण्डेय, उपाध्यक्ष डॉ. आदित्य भदौरिया, भूपेंद्रकांत भारतीय एवं संयोजक प्रदीप कुमार शर्मा, कार्यपरिषद सदस्य जीवाजी विश्व विद्यालय के साथ रविवार शाम को तैयारियों का जायजा लिया।

सीएसपी विजय भदौरिया ने किया नगर भ्रमण, चेतावनी दी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सीएसपी विजय भदौरिया ने रविवार की शाम को कोतवाली टीआई व थाना स्टेशन रोड टीआई सहित फोर्स के साथ नगर के विभिन्न मार्गों पर पैदल भ्रमण किया। सीएसपी श्री भदौरिया स्टेशन रोड, शंकर बाजार, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, सर्राफा बाजार, पंचायती धर्मशाला, सब्जी मंडी क्षेत्र आदि में पहुंचे, जहाँ उन्होंने मनमाने तरीके से खड़े हाथठेले वालों को सख्त चेतावनी दी कि वे ठेलों को निर्धारित स्थान पर लगायें। इसके साथ ही उन्होंने अण्डा विक्रेताओं से भी कहा कि वे नियमों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी। आज सिर्फ चेतावनी है। आगामी दौर में कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान उन्होंने कुछ दुकानदारों से भी कहा कि वे अपनी दुकान का सामान सड़क पर न रखें क्योंकि इससे आवागमन अवरुद्ध होता है।

छात्रवृत्ति परीक्षा में 72 छात्र अनुपस्थित मिले

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में 72 बच्चे छात्र अनुपस्थित पाए बीआरसी शेलेन्द्र सिंह तोमर ने औचक निरीक्षण किया।

बीआरसीसी पोरसा ने किया NMMS परीक्षा का औचक निरीक्षण

आज बीआरसीसी पोरसा शैलेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का पोरसा में औचक निरीक्षण किया। इस परीक्षा मे कक्षा 8 के शासकीय स्कूलों के अध्ययन रत विद्यार्थी भाग लेते है।इस परीक्षा को पास करने वाले विद्यार्थियों को

कक्षा 9 से कक्षा 12 तक प्रति माह 1 हजार रुपये छात्रवृत्ति मिलती है।यह परीक्षा पोरसा मे तीन परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई शा। कन्या उ मा वि पोरसा, अशासकीय आरबीएस स्कूल पोरसा, शा उत्कृष्ट उ मा वि पोरसा ।इस परीक्षा के लिए अभिवावक की वार्षिक आय की भी सीमा निर्धारित होती है।इस परीक्षा मे पोरसा से 902 विद्यार्थियों से आवेदन किये 830 विद्यार्थी परीक्षा मे बैठे 72 अनुपस्थित रहे।शा क उ मा वि केन्द्र पर फोटो मे अंतर पाये जाने पर परीक्षा प्रभारी वीरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रधानाध्यापक को बुलबाया।सभी जगह परीक्षा विधिवत एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।सभी केन्द्रों पर संबंधित स्कूलों के समस्त सी ए सी मिले।

पोरसा के इंजीनियर गौरव शर्मा ने जर्मनी में मुख्यमंत्री का किया सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जर्मनी प्रवास के दौरान पोरसा निवासी गौरव शर्मा के द्वारा सम्मान किया गया।

इंजीनियर गौरव शर्मा पोरसा निवासी हैं, जो रामानंद शर्मा के सुपुत्र हैं, जो जर्मनी के म्यूनिख में एप्पल कंपनी में कार्यरत् हैं। अभी हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दो दिन के प्रवास के दौरान इंजीनियर गौरव शर्मा की भेंट हुई। जब डॉ. यादव को मालूम हुआ कि गौरव शर्मा हमारे प्रदेश के मुरैना जिले के पोरसा तहसील के निवासी हैं तो उन्होंने गौरव शर्मा को गले लगाया। गौरव शर्मा के द्वारा डॉ. मोहन यादव का सम्मान किया गया। वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा अमेरिका के न्यूयॉर्क में इन्वेस्ट मध्य प्रदेश की सिंगल विंडो के तहत इस स्कूल की स्थापना की चर्चा गौरव शर्मा से हुई, तब गौरव शर्मा ने एक आवेदन वहीं पर दिया। उसके बाद उनके आदेश पर पोरसा में निजी स्कूल की स्थापना हुई और मोहन यादव द्वारा गौरव शर्मा के कार्यों की प्रशंसा की गई। इंजीनियर गौरव शर्मा पोरसा के एक निजी स्कूल संचालक भी हैं, जो जर्मनी से ही अपने विद्यालय की व्यवस्थाएं देखते हैं तथा उनके भाई वगैरह यहां पर व्यवस्थाएं देखते हैं।